नैतिक क्रांति

लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

नैतिक क्रांति

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो.।"

वर्ष: 04 अंक: DD77 डिजिटल संस्करण सीधी शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 PRGI- MPHIN/25/A0567 पृष्ठ-8 मूल्य 5.00

11 महीने के मासूम की बाल्टी में डूबकर मौत, सदमे में इंजीनियर मां ने सुसाइड नोट लिखकर दी जान



नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के बैरेश्वरनगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 11 महीने के एक बच्चे के गलती से पानी की बाल्टी में डूब जाने के बाद उसकी मां ने सदमे में आत्महत्या कर ली। मां ने पीछे एक सुसाइड नोट भी छोड़ा, जिसमें खुद को बच्चे की मौत का जिम्मेदार ठहराया। मृत बच्चे की पहचान अगस्त्य वली के रूप में हुई है। उसकी मां प्रतिभा (29 वर्ष) एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल थीं और घर से काम करती थीं। उनके पति महंतेश वली भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। घटना के समय महंतेश काम पर बाहर गए हुए थे। पुलिस के अनुसार, बुधवार शाम प्रतिभा बच्चे को घर में अकेला छोड़कर छत पर सूखे कपड़े लेने गई थीं। इसी दौरान बच्चा भटकते हुए बाथरूम में पहुंच गया और पानी से भरी बाल्टी में गिरकर डूब गया। अपने बच्चे को बचाने में असफल रहने के बाद प्रतिभा पूरी तरह टूट गईं। उन्होंने खुद को इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया। घटनास्थल से बरामद सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि वे अपने बेटे की मौत के साथ जीवित नहीं रह सकतीं। प्रतिभा ने पहले गोलियां खाकर और अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन जब वह सफल नहीं हुई तो उन्होंने अंत में साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। शाम करीब 6-30 बजे जब महंतेश काम से घर लौटे, तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया और बार-बार आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने पत्नी को फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद उन्होंने खिड़की से हाथ डालकर अंदर से चाबी निकाली और दरवाजा खोला। अंदर का दृश्य देखकर वे सन्न रह गए।

चंडीगढ़-भाजपा ऑफिस अटैक के बाद हाईकोर्ट को उड़ाने की धमकी



चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित पंजाब बीजेपी के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक इस हमले में **GHDwP** हैंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया था। यह ग्रेनेड पाकिस्तान में बनाया जाता है। जानकारी के अनुसार, विस्फोट के बाद यह करीब 5 से 10 मीटर के दायरे में बेहद घातक साबित हो सकता है। वहीं इसके टुकड़े 20 से 25 मीटर तक फैल सकते हैं, जिससे आसपास मौजूद लोगों के गंभीर रूप से घायल होने का खतरा रहता है। इससे पहले 2 नए वीडियो सामने आए। हमले से कुछ मिनट पहले वीडियो में **BJP** ऑफिस के पास स्थित एक अन्य दफ्तर के बाहर 2 संदिग्ध खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में हमले के बाद दोनों संदिग्ध सड़क के दूसरी ओर भागते हुए कैद हुए हैं। उधर, पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को चौथी बार बम से उड़ने की धमकी ईमेल के जरिए मिली है। लेकिन इस बार ईमेल पुलिस हेडक्वार्टर में आई है। बताया जा हा है कि इससे पहले जो तीन ईमेल आई है, वह हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की सरकारी ईमेल पर आई है।

हनुमान जन्मोत्सव : ग्वालियर और रतलाम में सोने-चांदी से हुआ चोला शृंगार

छतरपुर में अष्टधातु से बनी 51 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

भोपाल

आज हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। प्रदेशभर में शोभायात्राएं, भंडारे और धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। भोपाल के खेड़ापति हनुमान मंदिर, इंदौर के पितरेश्वर और रणजीत हनुमान, उज्जैन के गेबी हनुमान, जबलपुर के अर्जी वाले हनुमान और ग्वालियर के मंशापूर्ण हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ग्वालियर के रोकड़िया महाराज को चांदी की पोशाक पहनाई गई। इसकी कीमत करीब 1 लाख रुपए है। वहीं रतलाम के श्री बरबड़ हनुमान मंदिर और श्री मेहंदी कुई बालाजी मंदिर में सोने से शृंगार किया गया। इसके अलावा



छतरपुर में अष्टधातु से बनी 51 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसे बनाने में 7 साल लगे हैं। पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर हनुमान जी का प्राकट्य उत्सव मनाया जाता है। इस बार पूर्णिमा गुरुवार को हस्त नक्षत्र और ध्रुव योग में आ रही है। कन्या राशि के चंद्रमा की साक्षी रहेगी। इस शुभ संयोग में साधु-उपासक हनुमान की कृपा के लिए अलग-अलग धार्मिक अनुक्रम करेंगे। गुरुवार का दिन विशेष माना जाता है, क्योंकि यह भगवान विष्णु से संबंधित है और श्री राम उनके अवतार माने जाते हैं। इस दिन पूर्णिमा, गुरुवार और हस्त नक्षत्र का संयोग प्रबल माना जाता है। इस दिन की गई हनुमान जी की साधना ग्रह पीड़ा से मुक्ति दिलाती है। करोंद स्थित 45 साल पुराने खेड़ापति हनुमान मंदिर की विशेषता यह है कि भूतल पर एक मनोकामना शिला (इच्छा-पुकारने का पत्थर) है, जहां भक्त अपनी इच्छाएं लिखते हैं। यहां आज भंडारा, अखंड रामायण पथ (निरंतर जप) और सुबह, शाम आरती होगी। यहां खेड़ापति लोक भी बनाया जाना है। इंदौर का प्रमुख आकर्षण है। बिजासन रोड पर पितृ पर्वत स्थित यह मंदिर दूर से दिखाई देता है। यहां अष्टधातु की बैठी हुई हनुमान प्रतिमा है, जो देश की सबसे ऊंची प्रतिमाओं में मानी जाती है (करीब 72-108 फीट, वजन 108 टन)। यह पितर दोष निवारण और पितरों की शांति के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर शांत वातावरण और पर्यटन स्थल के रूप में भी लोकप्रिय है।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले राजनाथ सिंह

भारत किसी भी हालात का सामना करने को तैयार

तिरुवनंतपुरम/एजेंसी

केरल विधासभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राज्य में प्रचार की कमान संभाली। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में ईंधन या गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तैयार है। केरल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना हमारे टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के हितों की रक्षा के लिए अपनी कूटनीतिक कुशलता का इस्तेमाल कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, आज हम सभी बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। पश्चिम एशिया में बहुत बड़ा संघर्ष चल रहा है। केरल के बहुत सारे लोग इन देशों में रहते हैं और काम करते हैं, लेकिन हमें किसी भी प्रकार की चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हम अपने भारतीय नागरिकों की रक्षा और सुरक्षा के लिए कोई भी



कदम उठाने में पीछे नहीं रहेंगे। इसके लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, कुछ लोग पश्चिम एशिया के इस संघर्ष के कारण झूठ फैलाकर तनाव फैलाना चाहते हैं। न तो देश में पेट्रोल-डीजल की कमी है, न तो गैस की कमी है और भारत किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार है। हमारी नौसेना स्टेट ऑफ होर्मुज से भारतीय टैंकरों को सुरक्षित तरीके से निकाल रही है, जबकि विपक्ष इस संकट के समय देश के साथ खड़े होने के बजाय निम्न स्तर की राजनीति कर रहा है।

देश में आतंकी घटनाओं पर लगी लगाम : रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री ने कहा, मैंने देश के गृह मंत्री के रूप में भी काम किया है और आज मैं रक्षा मंत्री के रूप में देश को अपनी सेवा दे रहा हूं। पिछले 11 वर्षों में चाहें वो आंतरिक सुरक्षा की बात रही हो या चाहें बाहर के दुश्मनों से सुरक्षा की बात रही हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को ताकत दी है। ये बदलाव पूरी दुनिया को हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला है। उन्होंने कहा, जब कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए सरकार का शासन था तो कैसे हालात थे याद कीजिए। आए दिन कोई न कोई घटना होती थी। जब से केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार आई है, आतंकवादी घटनाओं पर न केवल लगाम लगी है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमने निर्णायक कदम भी उठाए हैं।

असम में राहुल गांधी की रैली

संविधान का जिक्र कर लिए अदाणी-पतंजलि के नाम

गुवाहाटी/एजेंसी। लोकसभा विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए असम पहुंचे है। इस दौरान उन्होंने कार्बी आंगलोंग में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा, असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधाराओं के लोग साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस की सोच है, हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए। राहुल के अनुसार, यही लड़ाई चल रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने अनुच्छेद 244ए इसलिए लागू किया क्योंकि हमारा मानना है कि फैसले स्थानीय स्तर पर होने चाहिए। ये फैसले गुवाहाटी या दिल्ली से नहीं, बल्कि यहीं आपके नेता और परिषदें लें। यही हमारे और उनके बीच का फर्क है। आपको लगता है कि फैसलों का सिलसिला गुवाहाटी से शुरू होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपकी जमीन छीनकर अडानी को अंबानी और पतंजलि बीघा जमीन दे दी गई। हजारों बीघा जमीन दूसरी बड़ी कंपनियों को भी मिली है। आपको यह समझना होगा कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। कुछ दिन पहले नरेंद्र मोदी ने भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते पर दस्तखत किए।



ममता को घर में हराना है, टीएमसी को खाड़ी में फेंक दो : अमित शाह

कोलकाता/एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। **TMC** को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। शाह का काफीला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर **TMC** कार्यकर्ता ने काफीले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए।



इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फ नंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा। दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफ सुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है। मालदा की घटना पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी के बयान इसके जिम्मेदार हैं। केरलम चुनाव के लिए **LDF** और ष्ठस्त्र ने घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस कई अन्य पार्टियों के साथ यूडीएफ गठबंधन में शामिल है। मुस्लिम **CM** वाले बयान पर **BJP** ने कहा, अगर मुसलमान अपने में से किसी को नेता चुनते हैं, तो ममता की पार्टी को बंगाल में 30 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

धार भोजशाला मामले पर मप्र हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, छह अप्रैल से होगी नियमित सुनवाई

इंदौर

धार के ऐतिहासिक और विवादित भोजशाला परिसर मामले में गुरुवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में एक अत्यंत महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अब इस पर छह अप्रैल से नियमित सुनवाई करने का फैसला लिया है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि आगामी सोमवार से इस केस पर हर रोज सुनवाई की जाएगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बहस की शुरुआत में पहले याचिकाकर्ताओं के तर्कों को सुना जाएगा, जिसके बाद आपत्तिकर्ताओं को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। इस गंभीर मामले की सुनवाई जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ द्वारा की जा रही है। बता दें कि हिंदू समुदाय भोजशाला को देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष का दावा है कि 11वीं सदी का यह स्मारक कमाल मौला मस्जिद है।



वर्तमान में यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए्स्ढ्ढ) के अधीन है। हाल ही में कोर्ट के आदेश पर एएसआई द्वारा भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण भी किया गया था, जिसका उद्देश्य इसकी ऐतिहासिक प्रकृति और मूल संरचना का पता लगाना था। 16 मार्च को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की पीठ ने विवादित भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर से संबंधित याचिकाओं की नियमित सुनवाई के लिए दो अप्रैल से पहले की तारीख निर्धारित की थी और कहा था कि वह स्थल का निरीक्षण करेगा।

ईरान युद्ध के मद्देनजर पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट का निर्णय

नई दिल्ली। (वार्ता) सरकार ने ईरान की लड़ाई और उसके परिणामस्वरूप वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों को देखते हुए 30 जून, 2026 तक महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है। वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि घरेलू उद्योग के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल सामग्री की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने और उनको कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करने वाले क्षेत्रों पर लागत के दबाव को कम करने और देश में आपूर्ति स्थिरता को सुरक्षित रखने के लिए यह उपाय एक अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में लागू किया जा रहा है ।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई पर बनी फिल्म को दिल्ली फिल्म फेस्टिवल में मिला सम्मान

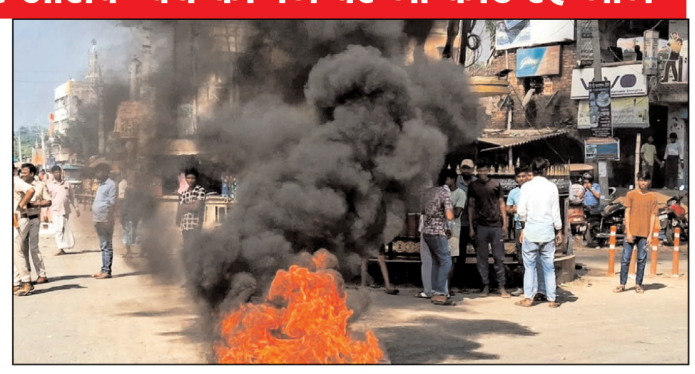
भोपाल । देश की राजधानी दिल्ली में मध्यप्रदेश संस्कृति और पर्यटन विभाग द्वारा देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती के अवसर पर निर्मित फिल्म लोकमाता देवी अहिल्या बाई को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली - 2026 के दौरान सिनेमा के माध्यम से इतिहास संरक्षण में योगदान से सम्मानित किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा नाइट ऑफ ऑनर्स समारोह में फिल्म की निर्देशक डिंपल दुगर को सम्मानित किया।

बंगाल में मतदाता सूची पर बवाल : मालदा में विरोध-प्रदर्शन

ईसी के अफसरों पर आरोप- वैध कागज पर भी काट रहे नाम

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मालदा में गुरुवार सुबह से एक नया विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। इस बार पुराने मालदा ब्लॉक के मंगलबाड़ी इलाके में। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनके कई नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। गुरुवार को रात में कुछ घंटों के लिए खोले जाने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 को फिर से अवरुद्ध कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगा दी और सड़क को बांस से अवरुद्ध कर दिया। स्थिति पर नजर रखने के लिए मालदा पुलिस स्टेशन की पुलिस टीमों और सीएपीएफ के जवानों को नाकाबंदी स्थल पर तैनात किया गया है। बुधवार को कालियाचक प्रदर्शन में उठाई गई मांगों को लेकर आज पुराने मालदा ब्लॉक में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सभी वैध दस्तावेज होने के बावजूद मतदाता सूची से उनके नाम हटाए जाने के विरोध में वे प्रदर्शन



कर रहे हैं। बुधवार सुबह से ही मालदा के विभिन्न इलाकों में लोग अपने नाम हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग काफी देर तक अवरुद्ध रहा और न्यायिक अधिकारियों को भी घेर लिया गया। बाद में देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया। बुधवार रात को मालदा के कालियाचल में जमा हुई भीड़ सुबह से वहां नजर नहीं आई। लोग सुबह से सड़कों पर निकलने भी लगे हैं। हालांकि, दबा हुआ तनाव अभी भी बरकरार है।

टीएमसी से जुड़ी कंपनी I-PAC के ठिकानों पर तलाशी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के अनुसार ईडी ने कई शहरों में **I-PAC** के ठिकानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने बताया कि राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के कुछ अधिकारियों से जुड़े परिसरों पर नए सिरे से तलाशी अभियान चलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये कार्रवाई दिल्ली, बंगलूरू और हैदराबाद में एक साथ की गई है।

बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- उन्हें खाना-पानी तक नहीं मिला

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एफआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। इसका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा।

27 साल पुराने जालसाजी मामले में दतिया विधायक राजेंद्र भारती को 3 साल की सजा, सदस्यता पर संकट



दतिया। दिल्ली की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को साल 1998 के एक एफडी में हेराफेरी मामले को लेकर दोषी करार देते हुए 3 साल के कारावास की सजा सुनाई है, हालांकि सजा के तुरंत बाद उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई है। यह पूरा मामला उस समय का है जब भारती जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष थे और उन पर अपने पिता के संस्थान के नाम पर कराई गई 10 लाख की एफडी के ब्याज को फर्जी दस्तावेजों के जरिए निकालने का आरोप सिद्ध हुआ है। अदालत ने उन्हें आपराधिक साजिश (120**B**) और धोखाधड़ी (420, 467, 468, 471) जैसी गंभीर धाराओं के तहत सजा सुनाई है, जिसमें उनके साथ बैंक लिपिक रघुवीर प्रजापति को भी दोषी माना गया है। नियमत: दो साल से अधिक की सजा होने के कारण भारती की विधानसभा सदस्यता पर अब खतरे के बादल मंडरा रहे हैं, लेकिन यदि वे अगले 60 दिनों के भीतर हाई कोर्ट में अपील कर सजा पर स्थगन प्राप्त कर लेते हैं, तो उनकी विधायकी सुरक्षित रह सकती है।

जेल में ब्लड ड्रामा : बंदी ने खुद पर किया जानलेवा हमला गला काटकर की आत्महत्या की कोशिश, सुरक्षा पर उठे सवाल

नैतिक क्रांति (बी.पी.तिवारी)-
सीधी (नैतिक क्रांति)।

मध्य प्रदेश के शहडोल की जिला जेल से एक चैंकाने वाली और सनसनीखेज खबर सामने आई है, जहां एक बंदी ने जेल की कड़ी सुरक्षा के बीच खुद का गला काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामलों में सजा काट रहा बंदी आखिर इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देने में कैसे सफल हुआ। इस घटना ने जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल बंदी का इलाज जिला अस्पताल में जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन इस घटना ने जेल की सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं।





जानकारी के मुताबिक, बंदी पंकज कटारे, जो दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के गंभीर मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। लंबे समय से मानसिक तनाव में था। बताया जा रहा है कि सजा सुनाए जाने के बाद से वह लगातार दबाव में था। इसी बीच उसने जेल के अंदर किसी तरह धारदार वस्तु हासिल कर यह खौफनाक कदम उठा लिया। घटना के बाद जेल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में घायल बंदी को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

चैंकाने वाली बात यह भी है कि पंकज कटारे पहले भी दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट चुका है। करीब एक साल पहले जेल से रिहा होने के बाद उसने फिर से पांडवगर क्षेत्र में एक छात्रा के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद उसे दोबारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इतनी सख्त निगरानी वाली जेल के अंदर बंदी तक धारदार वस्तु कैसे पहुंची? क्या जेल प्रशासन की लापरवाही इस पूरे मामले की जड़ है, या फिर सुरक्षा में कहीं गंभीर चूक हुई है। फिलहाल मामले की जांच शुरू कर दी गई है, लेकिन इस घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

जयकांत मिश्रा का प्रथम चरण अधिवक्ताओं के सम्पर्क में पूरा हुआ

नैतिक क्रांति (बी.पी.तिवारी)-
सीधी (नैतिक क्रांति)।



म.प्र. हाई कोर्ट में राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव की तारीख नजदीक हो रही है, जिस पर बुढ़ार अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा अपने दर्जनों अधिवक्ता साथियों के साथ उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, सिंगरौली सीधी, रीवा, जबलपुर, इटारसी, षिवनी, बालाघाट, डिंडौरी, मंडला, शहपुरा, सिहोरा, सलिमनाबाद, का अधिवक्ताओं से रूबरू होकर हर एक अधिवक्ता से मिलकर जयकांत मिश्रा द्वारा प्रथम वरीयता मत के लिए आर्षीवाद स्वरूप मत मांगा साथ ही इन दिनों लगातार अमरपाटन मैहर, उचेहरा, सतना, नगौद, कटनी में अपने दर्जनों अधिवक्ता साथियों के साथ सघन अधिवक्ता सम्पर्क कर अपने पक्ष में मत वरियता के आधार पर करने की मांग की है। जिस पर अपने सभी सहयोगी अधिवक्ताओं से कहा कि परिवर्तन की लहर है, आप सभी का जिस तरह अपार स्नेह व विष्वास मिल रहा है। निष्चित ही हमारी जीत नही, आप सभी की जीत होगी। समय समय पर आप सभी के साथ मिलकर न्याय उचित विकास का कार्य किया जाएगा, आप सभी के प्रथम वरियता मत के आर्षीवाद की कामना की जाती है।

ए.एन.एम. महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपनी जायज मांगों को लेकर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को घेरा ज्ञापन पर शीघ्र कार्यवाही की मांग

नैतिक क्रांति (बी.पी.तिवारी)-
सीधी (नैतिक क्रांति)।



ए.एन.एम. संवर्ग की मांगे समयमान वेतनवृद्धि डी.ए. एरियर्स.एच.आर.ए., टी.व्ही.आई. अन्य क्षेत्रों में टीकाकरण करने का 525रू. प्रति सत्र कटे हुए वेतन का भुगतान की बहाली एवं कई विन्दुओं पर सैकड़ों ए.एन.एम. कार्यकर्ता आज सायं 5.00 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को घेरा मजबूर होकर जिला चिकित्सा अधिकारी मिश्रा को कार्यालय के समक्ष आकर विधि संवत ज्ञापन लेकर ज्ञापन पर निराकरण की बात कहीं। ए.एन.एम. का आरोप है कि विभाग के अन्य कैडर का वेतन नही काटा जाता, केवल हमी लोगों को वेतन क्यो काटा जाता है, इस तरह का सौतेला व्यवहार वर्तमान सी.एम.एच.ओ. द्वारा करना न्याय संगत नही है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि आप द्वारा अनाधिकृत रूप से मानसिक व आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, जबकि विभाग के सभी लक्ष्य और राष्ट्रीय कार्यक्रम की पूर्ति केवल ए.एन.एम. के द्वारा की जाती है। टीकाकरण एच.पी.व्ही. वेक्षिनेषन से लेकर सभी कार्य सम्पादित किया जाता है, इसके बावजूद भी 15-20 दिन का वेतन काटा जाता है, ए.एन.एम. को मानसिक एवं आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जाना उचित नही है। आज के ज्ञापन में 07 दिवस के अन्दर भुगतान एवं अन्य मांगों का निराकरण न किया गया तो ए.एन.एम. अनिष्चित कालीन हड़ताल पर चली जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रषासन के साथ मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी की होगी। ज्ञापन सौपते समय अंजनी सोनवानी अध्यक्ष, सावित्री सिंह, जिला सचिव, रेखा ज्ञान चंदानी कोषाध्यक्ष सावित्री सिंह उईके, कुसुम वर्मा, सुनीता तिवारी उपाध्यक्ष, प्रभा सिंह, ललित सिंह मार्को सह सचिव, राजकुमारी टांडिया, आदि उपस्थित रहे।

चार पुलिस कर्मचारी-अधिकारियों को दी गई भावभीनी विदाई, शानदार सेवाओं के लिए किया गया सम्मानित

नैतिक क्रांति (बी.पी.तिवारी)-
सीधी (नैतिक क्रांति)।



पुराने पुलिस कंट्रोल रूम शहडोल में एक गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग में अपनी लंबी और उत्कृष्ट सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हो रहे। चार पुलिस कर्मचारीध् अधिकारियों को विभाग की ओर से भावभीनी विदाई दी गई।

सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारियों में निम्नलिखित नाम शामिल हैं

1. कार्य.निरीक्षक मुन्नालाल राहंगडाले ।
2. कार्य. उनि. मवासी सिंह ।
3. कार्य.उनि. सूर्य प्रताप सिंह ।
4. कार्य. प्रआर. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री रामजी श्रीवास्तव ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी चार पुलिस कर्मचारीध् अधिकारियों को फूलमाला पहनाकर तथा शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा बताया गया कि , ष्पुलिस कर्मचारीध्अधिकारियों ने अपने पूरे सेवाकाल के दौरान जो अनुशासन और समर्पण दिखाया है, वह विभाग के युवा कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पुलिस विभाग इनके द्वारा दी गई सेवाओं के लिए सदैव आभारी रहेगा।ष् उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय पारिवारिक जीवन की मंगलकामना की। इस विदाई समारोह में विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सहकर्मियों ने सेवानिवृत्त हो रहे साथियों को उनके आगामी जीवन के लिए ढेरों शुभकामनाएं दीं।

बुढार रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का अभाव कोच पोजीशन डिस्प्ले न होने से बढ़ी परेशानी

शहडोल



जिले के बुढार रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की कमी से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित यात्रियों ने बताया कि स्टेशन पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे यात्रा करना असुविधाजनक हो गया है। सबसे बड़ी समस्या ट्रेनों के कोच (डिब्बों) की स्थिति को लेकर सामने आ रही है। स्टेशन पर कोच पोजीशन डिस्प्ले बोर्ड की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे यात्रियों को यह पता नहीं चल पाता कि उनका डिब्बा प्लेटफॉर्म पर किस स्थान पर आएगा। इसके चलते यात्रियों को ट्रेन आने के समय इधर-उधर भागना पड़ता है। इस समस्या का सबसे अधिक असर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर सही डिब्बे तक पहुंचने में काफी कठिनाई होती है। यात्रियों का कहना है कि यदि कोच पोजीशन डिस्प्ले बोर्ड और स्पष्ट सूचना प्रणाली उपलब्ध कराई जाए, तो उनकी परेशानियां काफी हद तक कम हो सकती हैं। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि बुढार रेलवे स्टेशन पर शीघ्र कोच पोजीशन डिस्प्ले बोर्ड की व्यवस्था की जाए, साथ ही यात्रियों के लिए बेहतर सूचना प्रणाली और अन्य आवश्यक सुविधाओं में भी सुधार किया जाए, ताकि यात्रा सुगम और सुरक्षित बन सके।

आंधी-बारिश से शहडोल हुआ ब्लैकआउट, अंधेरे के साए में पूरा शहर

नैतिक क्रांति (बी.पी.तिवारी)-
सीधी (नैतिक क्रांति)।



शहडोल में मौसम का मिजाज ऐसा बदला कि पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। तेज आंधी-तूफान और बे-मौसम बारिश ने बिजली व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया। देखते ही देखते शहडोल ब्लैकआउट की चपेट में आ गया और चारों तरफ सन्नाटा छा गया। सड़कों से लेकर घरों तक सिर्फ अंधेरा ही अंधेरा नजर आया। आखिर कैसे कुदरत के इस अचानक बदले तेवर ने शहर की रफ्तार रोक दी।

जानकारी के अनुसार, तेज हवाओं के साथ आई बारिश ने बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। कई स्थानों पर पेड़ और डालियां टूटकर बिजली लाइनों पर गिर गई, जिससे आपूर्ति ठप हो गई। शहर के मुख्य बाजार, आवासीय कॉलोनियां और प्रमुख चैराहे अंधेरे में डूब गए अचानक हुए ब्लैकआउट से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, वहीं रात के समय सड़कों पर आवागमन भी प्रभावित हो गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मौसम ने बिना किसी पूर्व चेतावनी के अचानक करवट ली, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई जगहों पर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं भी बाधित रहीं, जिससे लोगों को संपर्क करने में दिक्कतें आई। इधर बिजली विभाग की टीमों ने हालात संभालने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। अधिकारियों के अनुसार, तूफान के कारण हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और जहां-जहां लाइनें प्रभावित हुई हैं, वहां मरम्मत कार्य तेजी से जारी है। विभाग ने जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है।

वन विभाग की टीम पर हमला: कोयले से भरा ट्रैक्टर छुड़ाकर फरार हो गया माफिया

नैतिक क्रांति (बी.पी.तिवारी)-
सीधी (नैतिक क्रांति)।

एन.एच.43 पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब अवैध कोयले से लदे ट्रैक्टर को पकड़ने गई वन विभाग की टीम पर माफियाओं ने हमला कर दिया और ट्रैक्टर छुड़ाकर फरार हो गए। वारदात का वीडियो सामने आने के बाद अब सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल वन विभाग ने मामले की शिकायत पुलिस से की है, लेकिन कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवाल अब और गहरे होते जा रहे हैं। लगातार हो रहे हमलों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कब तक कोल माफिया कानून से ऊपर बने रहेंगे।



ड्राइवर और वन रक्षक के साथ मारपीट- दरअसल वन परिक्षेत्र के धनगंवा बीट से अवैध खनन कर कोयला ट्रैक्टर में लादकर नवलपुर की ओर ले जा रहा था। वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ लिया। इसी दौरान कोल माफिया मौके पर पहुंच गए और वन कर्मियों पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि छ-43 पर बघेल ढाबा के पास और नवलपुर के समीप दो अलग-अलग स्थानों पर विवाद हुआ। माफियाओं ने ड्राइवर राम भरोसे और वन रक्षक विवेक यादव के साथ मारपीट भी की।

पुलिस ने ठोस कार्रवाई नहीं की

बता दें कि हाल ही में भी अवैध कोयले के खिलाफ कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम पर हमला हुआ था। वन विभाग के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि पुलिस को शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कब तक कोल माफिया खुलेआम कानून को चुनौती देते रहेंगे। मामला सोहागपुर थाना क्षेत्र का है।

बी.पी. तिवारी के जन्म दिन पर नगर, जिले, प्रदेष व राष्ट्रीय स्तर से मिल रही ढेर सारी शुभकामनाएं



बधाईदाता- सर्व श्री लक्ष्मण तिवारी सवर्ण मसीहा पूर्व विधायक, बृजेष तिवारी, के.पी. तिवारी, विधायक सेमरिया, सरतेन्दू तिवारी विधायक चुरहट, श्रीमती पुष्पा तिवारी, देवेन्द्र शर्मा (पिन्टू), कुलदीप शर्मा, सुमित शर्मा, सौरभ तिवारी, नीतू शर्मा, नीलू शर्मा, नेहा शर्मा, कमलेष गुप्ता, डॉ. अंजली सरकार,शुभदीप खरे एडवोकेट, डॉ. अरविन्द अम्बेडकर, संतोष चैबे, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ जयकांत मिश्रा, ओमप्रकाष दुबे, रमाकांत तिवारी, मनोज शुक्ला, मनोज सिंह, जवाहर लाल पाण्डेय, राजू सोनी, अमित सिंधानियां, विपिन सिंह सेंगर, रवि शर्मा, वरि. अधिवक्ता रावेन्द्र तिवारी, षिवेन्द्र तिवारी, सम्पादक नैतिक क्रांति, विंध्य भरत, कनिष तिवारी, साध्वी सुश्री उमा भारती पूर्व मुख्यमंत्री, माननीय नितिष कुमार मुख्यमंत्री, माननीय गिरीष गौतम जी, विधानसभा अध्यक्ष, रघुनन्दन शर्मा पूर्व सांसद, प्रहलाद पटेल जी, केन्द्रीय मंत्री, केदारनाथ शुक्ला विधायक, राजीव अवस्थी राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य भाजपा, केषर सिंह छाबड़ा, छोटेलाल सरावगी पूर्व विधायक, डॉ उमेष कुमार दीक्षित, डी.के. मिश्रा रीवा, आनन्द शर्मा, आर.पी.मिश्रा, एस.एन.यादव, श्रीमती सरोज यादव, सनत शर्मा वरि. संभागीय पत्रकार, संतोष चैबे संभागीय नेता आम आदमी पार्टी, सुधीर कुमार सेन, राजू अग्रवाल पत्रकार, आषीष नामदेव पत्रकार, मोहन नामदेव पत्रकार, तेज प्रताप सिंह पत्रकार, सुभाष शर्मा पत्रकार, गंगाधर चैधरी पत्रकार, कैलाष लालवानी पत्रकार, अजय नामदेव इले. मीडिया कमलेष श्रीवास्तव, दिनेष मिश्रा, विजय कुमार यादव (पार्षद), भैरवदीन मिश्रा, अनूप शर्मा जिलाध्यक्ष आप पार्टी, चांद बाबू खान (वीरदृष्टि खबर 29 डायरेक्टर) शबाना खान सम्पादक, अरूण तिवारी, संभागीय पत्रकार इले. मीडिया, राम संजीवन उपाध्याय पत्रकार, पप्पू गुप्ता, बीनू जैन, जयकिषन तिवारी एवं ब्राम्हण समाज के समस्त जिला पदाधिकारी व व्यापारी संघ, किसान संघ, युवा बेरोजगार संघ जिला एवं सभागीय पत्रकार संघ के साथ सभी नगर व जिले राष्ट्रीय स्तर के सभी शुभचिंतको ने ढ़ेर सारी शुभकामनाए दी है।

विजय नगर चौराहा पर तीन लाख स्क्वेयर फीट जमीन पर बनेगा मल्टी मॉडल मोबिलिटी हब, मेट्रो से भी रहेगी कनेक्टीविटी

नैतिक क्रांति शिवेन्द्र तिवारी
(7977409599)

इंदौर (नैतिक क्रांति)।



विजय नगर चौराहा पर प्राधिकरण के पास साढ़े 9 एकड़ बस स्टैंड के लिए आरक्षित पुरानी जमीन पड़ी है, जिसमें से 3 एकड़ जमीन शासन ने कई वर्ष पूर्व व्यवसायिक कर दी। शेष बची साढ़े 6 एकड़ जमीन का भी उपयोग परिवर्तन करने का प्रस्ताव भिजवाया था, जिसे शासन ने नामंजूर कर दिया। इसके चलते अब इस तीन लाख स्क्वेयर फीट जमीन पर प्राधिकरण पीपीपी के तहत मल्टी मॉडल मोबिलिटी हब निर्मित करने जा रहा है, जिसकी मंजूरी अभी हुई बोर्ड बैठक में ली गई। रोड ट्रांसपोर्ट के साथ मेट्रो से भी इसकी कनेक्टीविटी रहेगी और साथ ही व्यवसायिक निर्माण में मार्केट, ऑफिस, होटल सहित अन्य सुविधाएं भी विकसित की जाएगी। इस बेशकीमती जमीन की कीमत 1 हजार करोड़ रुपए से अधिक है और चूंकि प्राधिकरण नायतामूंडला के साथ कुमेर्डी, एमआर-10 पर 2 आईएसबीटी निर्मित करवा चुका है। लिहाजा उसने शासन से मांग की थी कि विजय नगर चौराहा की शेष बची साढ़े 6 एकड़ जमीन का भी भू-उपयोग व्यवसायिक कर दिया जाए, ताकि पूरी साढ़े 9 एकड़ जमीन व्यवसायिक उपयोग के साथ टेंडर के जरिए बेची जा सके और इससे जो राशि प्राप्त होगी उससे शहरभर में फ्लायओवर, सडक़ों के निर्माण सहित अन्य प्रोजेक्ट आसानी से अमल में लाए जा सकते हैं। मगर नगरीय प्रशासन और विकास मंत्रालय ने इसकी अनुमति नहीं दी। वहीं मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए भी यह जमीन देने का निर्णय पूर्व में हुआ था। मगर उसके एवज में प्राधिकरण ने बड़ी राशि मांगी, जिसके कारण मेट्रो कॉर्पोरेशन भी यह जमीन हासिल नहीं कर सका। अभी प्राधिकरण की जो बोर्ड बैठक 31 मार्च को आयोजित की गई उसमें आईएसबीटी के लिए सुरक्षित इस जमीन पर पीपीपी आधारित मल्टी मॉडल मोबिलिटी हब निर्माण का निर्णय लिया गया। इस हब में रोड ट्रांसपोर्ट यानी बसों की सुविधा के अलावा मेट्रो से भी कनेक्टीविटी रहेगी और होटल, ऑफिस सहित अन्य व्यवसायिक गतिविधियां भी विकसित होगी। विजय नगर चौराहा पर साढ़े 6 एकड़ जमीन बस स्टैंड उपयोग की ही है और शेष 3 एकड़ जमीन जो व्यवसायिक उपयोग की है, उसे प्राधिकरण भविष्य में टेंडर के जरिए बेचेगा या उस पर भी व्यवसायिक प्रोजेक्ट लाया जा सकता है। विगत वर्षों में एक के बाद एक अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति होती गई और नई भर्ती नहीं हुई, जिसके चलते अब इंजीनियरों के साथ अन्य अधिकारियों का टोटा पड़ गया है, जिसके चलते अब प्राधिकरण ने रिक्त पदों के लिए आवेदन बुलवाए हैं, जिनमें मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, नियोजक, विधि अधिकारी, सहायक यंत्री से लेकर सम्पदा, राजस्व निरीक्षक और पटवारी जैसे पदों पर भ र्ती की जाएगी।

इन्दौर में बगीचे में बैठे युवक-युवती को पटक पटककर पीटा, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल



नैतिक क्रांति शिवेन्द्र तिवारी
(7977409599)

इंदौर (नैतिक क्रांति)।

शहर में एक नया ट्रेंड शुरू हो गया है। जहां कोई युवक-युवती दिखाई दे उनको संदिग्ध मानकर पिटाई शुरू कर दी जाती है। सवाल यह है कि इनको कानून (खु2) हाथ में लेने का अधिकार किसने दिया। पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करती है। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ युवक एक युवक-युवती को पटक-पटककर मारपीट कर रहे हैं। यह वीडियो बाणेश्वर कुंड बाणगंगा के बगीचे का बताया जा रहा है। इस वीडियो में एक युवक-युवती को कुछ युवकों ने पकड़ा और बोला कि संदिग्ध गतिविधियां कर रहे थे। फिर इन युवकों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। युवक गिरा तो उसको लात- घूंसों से पीटने लगे। युवती उसे बचाने लगी तो उसके साथ भी मारपीट की। उन्हें डर दिखाया कि इनको थाने लेकर चलो। एक युवती भी बचाने का प्रयास करती वीडियो में दिखाई दे रही है। युवकों की संख्या चार से पांच है, जो यह भी कह रहे हैं कि वीडियो बनाओ। वीडियो बनाकर वायरल भी किया गया। अब शहर में यह नया ट्रेंड चल गया है।

विश्राम गृह प्रशासनिक भवन परिसर में नप सभापति विवेक सोनगरा द्वारा पौधारोपण कर प्रशासनिक सेवादारों को सम्मानित किया

सीतामऊ



नगर क्षेत्र के कृषि उपजमंडी समीप स्थित विश्राम ग्रह प्रशासनिक भवन परिसर में सीतामऊ नगर परिषद सभापति विवेक सोनगरा द्वारा अवलोकन किया एवं पार्षद राजेंद्र देतरिया के साथ परिसर में स्थापित तुलसीमाताजी का पूजन अर्चन एवं समीप पुष्प वाला पौधा लगाया गया एवं परिसर में विभिन्न प्रकार के लगे पौधों को पानी पिलाया गया एवं परिसर में स्वच्छता सेवा पर्यावरण संरक्षण अंतर्गत श्रमदान किया , इस अवसर पर भवन परिसर की विगत कई वर्षों से प्रशासनिक रूप से सेवा देने वाले भंवरलाल मालवीय एवं कारूलाल गहलोत का सनातन संस्कृति का दुप्पटा पहनाकर स्वागत सम्मानित किया गया, मौके स्थल पर नप. सभापति विवेक सोनगरा द्वारा सीतामऊ तहसीलदार मोहित सीनम को कॉल लगाकर दूरभाष माध्यम से उक्त प्रशासनिक विश्राम ग्रह भवन की व्यवस्थाओं एवं इसके संचालन संबधित विभागीय जानकारी ली एवं मौके स्थल पर परिसर में गर्मी के मौसम में पौधों के उचित संरक्षण रख रखाव संबधित विभागीय कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए, सभापति विवेक सोनगरा द्वारा मौके स्थल पर विश्राम गृह में परिसर क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के आवश्यक सहयोग एवं जिला प्रशासनिक अधिकारीयो मंदसौर जिला कलेक्टर महोदय एवं सीतामऊ स्ष्रू महोदय एवं सीतामऊ मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा परिसर में लगाए गए नए विभिन्न प्रकार के आध्यात्मिक, सकारात्मक पौधों के आवश्यक संरक्षण परिसर में नवाचार कार्य प्रणाली एवं प्रशासनिक अधिकारियों की पर्यावरण संरक्षण कार्यों को लेकर निरंतर सक्रियता की सराहना करी एवं विशेष नवाचार योगदान को मौके स्थल पर स्मरण किया, विश्राम गृह परिसर में कई वर्षों से सेवाएं दे रहे प्रशासनिक सेवादारों के कार्यों भवन में आगंतुक अतिथियों विश्राम अतिथि सत्कार, ठहराव व्यवस्था में सेवाकार्यों, विभिन्न गतिविधियों कार्यों की जानकारी ली

सीतामऊ में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से सम्पन्न, नगर भक्तिरस में सराबोर

सीतामऊ

नगर में हनुमान जन्मोत्सव अपार श्रद्धा, उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे नगर में दिनभर धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला चली, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। मंदिरों में जय श्रीराम एवं हनुमान जी के जयकारों से नगर गुंजायमान रहा। जिसमे प्रमुख रूप से राधा बावड़ी हनुमान धाम पर श्री बालाजी महाराज अपनी वानर सेवा के साथ श्री जगन्नाथ रथ लेकर चल रहे हैं अद्भुत पोशाक में श्री बालाजी महाराज भक्तों का मन मोह रहे थे। हनुमान धाम में नवनिर्मित भगवत धाम संत आश्रय का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। दिव्य हवन की पवित्र अग्नि में आहुतियां दी गई तथा संध्या काल में भव्य महा आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। भगोर गेट स्थित श्री राम भक्त हनुमान मंदिर परिसर में प्रातःकालीन



बेला में दिव्य हवन सम्पन्न हुआ। परंपरा अनुसार सुबह 6:30 बजे आरती में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दिनभर प्रसादी वितरण का क्रम निरंतर चलता रहा। नगर परिषद प्रांगण में जय भारत ग्रुप द्वारा पंचम विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ लिया। संध्या समय हिंदू रक्षक आर्मी द्वारा मनमोहक एवं रंगारंग



आतिशबाजी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव में चार चांद लगा दिए। इसी क्रम में महावीर चौक स्थित श्री बैजनाथ महादेव मंदिर परिसर में भी महाआरती का आयोजन अत्यंत श्रद्धा के साथ किया गया।श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। ग्राम लदुना के पास स्थित रत्नागढ़ बालाजी मंदिर में लदुना निवासी लाभार्थी परिवार द्वारा विधि-विधान से कलश स्थापना की गई। यहां दिनभर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

नैतिक क्रांति शिवेन्द्र तिवारी
(7977409599)

इंदौर (नैतिक क्रांति)।



इंदौर में आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में 'भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम' अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न की गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आई.एम.एस. परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया, खोज एवं बचाव सहित आपदा के दौरान आवश्यक सावधानियों एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा भूकंप से होने वाले जोखिम, बचाव तकनीक, राहत कार्य, प्राथमिक उपचार एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी साझा की गई।

'प्रश्नपत्र रचना एवं मूल्यांकन में गुणवत्ता उन्नयन' पर एमपीपीएससी की राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव, प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित

नैतिक क्रांति शिवेन्द्र तिवारी
(7977409599)

इंदौर (नैतिक क्रांति)।



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 'आयोग की भर्ती परीक्षाओं में 'प्रश्नपत्र रचना एवं मूल्यांकन में गुणवत्ता उन्नयन' विषय पर विगत दिनों दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के द्वितीय दिवस का प्रथम तकनीकी सत्र 'विमर्श' आयोग के सदस्य श्री नरेन्द्र कुमार कोष्टी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस सत्र में वाणिज्य एवं प्रबंधन, वन, दर्शनशास्त्र, आयुर्वेद, प्राणिकी, होम्योपैथी, उद्यमिता, मनोविज्ञान, पशुचिकित्सा एवं क्रीड़ा विषयों पर सावधानियों पर अपने अनुभव साझा करते हुए प्रस्तुतियां दीं। सत्र का विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा की गई। विषय विशेषज्ञों ने प्रश्नपत्रों के त्रुटिहीन निर्माण के लिए आवश्यक समापन डॉ. अजय परमार के विशेष उद्बोधन एवं अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ हुआ। तकनीकी सत्र के पश्चात आयोग के उप परीक्षा नियंत्रक श्री गजेन्द्र उज्जैनकर के नेतृत्व में खुला सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा कार्यशाला के संबंध में महत्वपूर्ण फीडबैक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का अंतिम सत्र समापन एवं सम्मान समारोह के रूप में आयोजित हुआ। इसमें आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य अधिकारियों द्वारा विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों का सम्मान किया गया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन अध्यक्षीय उद्बोधन, सचिव द्वारा आभार प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े द्वारा प्रशासनिक एवं राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा

कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत, एसडीएम व तहसील कार्यालयों का किया निरीक्षण

नैतिक क्रांति शिवेन्द्र तिवारी
(7977409599)

इंदौर (नैतिक क्रांति)।

इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा संभाग के खरगोन जिले के प्रशासनिक एवं विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय एवं जिला पंचायत कार्यालय खरगोन का वार्षिक रोस्टर अनुसार निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कार्यालय स्थित अपर कलेक्टर कोर्ट में व्यवहार न्यायालय से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। साथ ही खाद्य शाखा से जुड़ी जानकारी लेते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर रिकॉर्ड दुरुस्ती, स्वेच्छानुदान, भूमि आवंटन, आर्थिक सहायता सहित कलेक्ट्रेट की सभी शाखाओं की समीक्षा की गई। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लंबित प्रकरणों, अपील प्रकरणों एवं सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश भी दिए गए। इसके पश्चात जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण करते हुए



मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा की गई। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चल रहे कार्यों को आगामी तीन माह में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने तथा प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने कहा कि स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा विकसित की जा रही बगिया का कार्य उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए। निधिवन की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने मैरिज हॉल, होम स्टे जैसी सुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिले और पंचायत की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही उन्होंने गोशाला निर्माण के भी निर्देश दिए, ताकि वहां लगाए गए पौधों को प्राकृतिक खाद उपलब्ध कराई जा सके और हरित विकास को स्थायित्व मिल सके। इसके बाद संभागायुक्त द्वारा एसडीएम कार्यालय एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम कार्यालय में अपील प्रकरणों एवं रिकॉर्ड सुधार से संबंधित मामलों का अवलोकन किया गया तथा इन प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर तहसील खरगोन के निरीक्षण के दौरान नामांतरण, बटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों की समीक्षा की गई।

संपादकीय

कहां है वैकल्पिक ऊर्जा

ईरान युद्ध के कारण निर्मित परिस्थितियों ने पहली बार जीवाश्म ईंधन पर बहस छेड़ दी है। यह जलवायु-परिवर्तन के कारण नहीं है, बल्कि तेल-गैस को बाधित करना और उनकी उपलब्धता सीमित होने के मद्देनजर यह बहस छिड़ी है। दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित नहीं कर सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं। तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं। देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है। उसमें 33 करोड़ एलपीजी के उपभोक्ता हैं। दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है। पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है। तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है। यानि धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है। इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं। भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है। उसमें मध्य-पूर्व देशों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत का तेल-गैस आयात का बिल उस स्तर तक पहुंच चुका था, जहां एक साल में ही 180 अरब डॉलर तक उछल सकता था। कतर ने 2024-25 में भारत को 1.10 करोड़ टन एलएनजी की आपूर्ति की थी। वह करीब 41 फीसदी थी। तेल-गैस आयात करने के मद्देनजर हमारी अर्थव्यवस्था उन क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर आश्रित हो गई, जहां हमारी या आपूर्ति करने वाले देशों की भूमिका या दखल सीमित है। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मंगलवार को फोन पर बातचीत हुई। उसमें प्रधानमंत्री ने शिपिंग मार्ग के खुले और सुरक्षित होने का मुद्दा भी उठाया था। जिस तरह होर्मुज समुद्री मार्ग में ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं और मार्ग अवरुद्ध है, उसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार्य नहीं माना। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सहमति जताई। मौजूदा संकट के कारण भारतीय जीडीपी की विकास दर 4 फीसदी तक गिर सकती है, यह आकलन 'मूडीज' का है, जबकि गोल्डमैन सैश का आकलन है कि भारत की विकास दर 7 फीसदी से घट कर 5.9 फीसदी तक आ सकती है। महंगाई भी बढ़ सकती है। हम रूस, अमरीका, अफ्रीका, ओमान और लाल सागर के रास्ते हर रोज कच्चा तेल आयात कर रहे हैं। युद्ध के बाद भी 18 लाख बैरल तेल हर रोज आ रहा है, जबकि युद्ध से पहले 30-35 लाख बैरल तेल आता था। यह सुखद है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर कोई राशनिंग नहीं है, लेकिन गैस को लेकर है, क्योंकि गैस का अधिकतम भंडारण मात्र पौने दो दिन का ही कर सकते हैं। ओडिशा और कर्नाटक में तेल के भंडारण बनाने की बात करीब 5 साल पहले उठी थी, लेकिन आज भी 'शून्य' स्थिति है। हमें खाद भी मोरक्को जैसे देश से मंगवानी पड़ रही है। यदि अब भी युद्ध लंबा खिंचा, तो हमारा चालू खाता घाटा 2.2 फीसदी तक हो सकता है। बहरहाल स्थितियां अच्छी नहीं हैं।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल



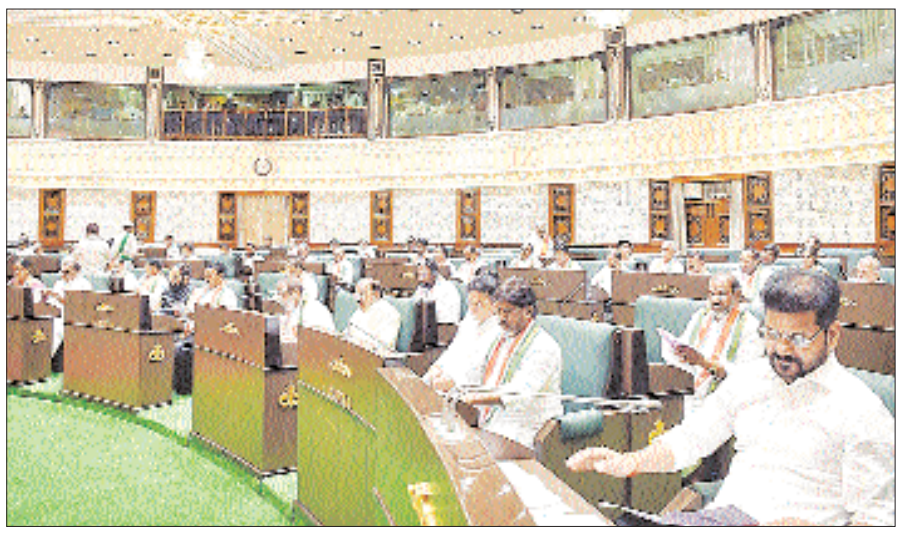
ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है।

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है।

हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके



वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज नया भारत और विकसित भारत की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अत: आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

ट्रम्प की बढ़ती बेताबी



आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पश्चिम एशिया में चल रहा ईरान-इजराइल व अमेरिका युद्ध अब ऐसे मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा था जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे को नेस्तानाबूद करने की आवाजें लगा रहे थे मगर इसी बीच आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा कर दी है कि वह अगले दो या तीन सप्ताहों तक इस युद्ध से बाहर आ जायेंगे, चाहे ईरान से समझौता हो या न हो। इससे लगता है कि ट्रम्प इस युद्ध में लगातार अकेले पड़ते जा रहे थे जिसकी वजह से अमेरिका में भी उनका भारी नागरिक विरोध होना शुरू हो गया है। ट्रम्प इससे पूर्व कह चुके थे कि ईरान अपने होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री रास्ते के बारे में क्या रुख अपनाता है। यह देखना अब इस रास्ते के बन्द होने से प्रभावित देशों का काम है। इससे पूर्व ईरान व इजराइल एक-दूसरे के सामरिक व महत्वपूर्ण नागरिक संस्थानों को अपने निशाने पर ले रहे हैं। एक ओर जहां अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में स्थित उसके परमाणु संयन्त्र पर हमला किया तो दूसरी ओर ईरान ने इजराइल व अमेरिकी मित्र पश्चिम एशियाई देशों के तेल टैंकरों व तेल संस्थानों पर हमले शुरू कर दिये। मगर इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह युद्ध अब केवल दो से तीन सप्ताह ही और चलेगा और इस दौरान वह ईरान को घुटनों पर ले आयेंगे। जबकि ईरान का कहना था कि वह युद्ध विराम केवल इसी शर्त पर करेगा जब उसे यह आश्वासन दिया जायेगा कि भविष्य में उस पर कभी दुबारा हमला नहीं किया जायेगा।

इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि यह युद्ध विगत 28 फरवरी को इजराइल व अमेरिका ने ही शुरू किया था जिसका प्राथमिक लक्ष्य ईरान में सत्ता परिवर्तन करना बताया गया था। मगर ट्रम्प ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई को आक्रमण के जरिये मौत के घाट उतारने के बावजूद यह लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सके और उन्होंने युद्ध को आगे खींचते हुए इसका लक्ष्य ईरान को परमाणु शक्ति से विहीन करने का निर्धारित कर दिया परन्तु इस समर को चलते एक महीने से ज्यादा का वक्त बीतने पर इसकी जद में पश्चिम एशिया के लगभग सभी अमेरिकी मित्र खाड़ी देश भी आ गये। इन देशों की सम्पत्ति का आधार इनमें पाये जाने वाले पेट्रोलियम पदार्थ व प्राकृतिक गैस के स्रोत हैं और ईरान ने अपने नियन्त्रण के होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री रास्ते को बन्द करके इनके परिवहन को बन्द जैसा कर दिया जिससे दुनिया के विभिन्न देशों में ऊर्जा संकट की स्थिति पैदा हो गई। अमेरिका इस होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को खोलने को एक वैश्विक मुद्दा बनाना चाहता था और विश्व के विभिन्न प्रभावित देशों को इस युद्ध में अपनी ओर करना चाहता था परन्तु इस मुद्दे पर उसे मुंह की खानी पड़ी और कई महत्वपूर्ण पश्चिमी यूरोपीय देशों ने उसके पक्ष में खड़े होने से मना कर दिया। हालांकि सभी चाहते हैं कि जलडमरूमध्य का मार्ग खुलना चाहिए लेकिन उन्होंने युद्ध में ट्रम्प का सहयोगी बनने से साफ इन्कार कर दिया।

इनमें स्पेन से लेकर ब्रिटेन, जर्मनी, इटली व फ्रांस तक शामिल हैं। इसके साथ ही पश्चिमी यूरोपीय देशों के सामरिक संगठन नाटो ने भी अमेरिका का साथ देने से इन्कार कर दिया था और कहा था कि यह अमेरिका की अपनी लड़ाई है। इससे जाहिर था कि ट्रम्प इस मामले में धीरे-धीरे अकेले पड़ते नजर आ रहे थे जिसकी वजह से वह अब युद्ध को समाप्त करने की तजवीजें ढूंढने के लिए उतावले हुए। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इस युद्ध के बारे में अमेरिका के रक्षामन्त्री पीट हेगसेथ कह रहे थे कि अगले कुछ दिन युद्ध के लिए बहुत निर्णायक साबित होंगे। उनका कहना था कि अगर अगले कुछ दिनों में ईरान अमेरिका से समझौते के लिए राजी नहीं हुआ तो उसके खिलाफ भीषण हमला किया जायेगा।

इसके साथ ही ट्रम्प यह भी कह रहे थे कि यदि ईरान समझौता नहीं करता है तो उसके सभी बिजली व तेल ऊर्जा संयन्त्रों को नष्ट कर दिया जायेगा तथा उसके उस खार्ग द्वीप पर हमला करके कब्जा कर लिया जायेगा जहां से वह अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत से अधिक निर्यात अन्य देशों को करता है। साथ ही ट्रम्प इस संभावना से भी इन्कार नहीं कर रहे थे कि ईरान की धरती पर अमेरिकी सैनिकों को भी उतारा जा सकता है। इसके लिए अमेरिका पश्चिम एशिया के इलाके में अपने दस हजार अतिरिक्त पैदल सैनिकों के अलावा कई नौसैनिक जहाजों को भी रवाना कर चुका था। इसका मतलब यह निकाला गया कि ट्रम्प ईरान में यह डर पैदा कर देना चाहते हैं कि अगर उसने उनकी शर्तें न मानी तो वह पूरे ईरान को बर्बाद कर देंगे।

मगर ईरान ईंट का जवाब पत्थर से दे रहा है और जवाब में इजराइल पर बेतहाशा हमले कर रहा है और अमेरिका के मित्र पश्चिम एशियाई देशों में उसके संस्थानों को भी अपने निशाने पर रख रहा है। इनमें कई खाड़ी देशों के तेल उत्पादक संयन्त्र भी शामिल है। अभी कल ही उसने संयुक्त अरब अमीरात के एक तेल टैंकर पर हमला किया। ईरान अब कह रहा है कि वह खाड़ी देशों में अमेरिकी कम्पनियों पर भी जवाबी हमले करेगा। दरअसल ट्रम्प कह चुके थे कि उन्हें ईरान की तेल सम्पदा पसन्द है। उनका यह कथन बताता था कि इस महायुद्ध का सबब क्या है? क्योंकि पिछले दिनों उन्होंने जिस तरह वेनेजुएला देश पर कब्जा करके उसकी तेल सम्पदा को कब्जाया था उससे उनके इरादे साफ हो जाने चाहिए थे। यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध में यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ देने से इन्कार किया और कुछ ने तो इसे असंवैधानिक युद्ध भी बताया। दरअसल ट्रम्प मूल रूप से एक व्यापारी या व्यवसायी हैं और जब किसी देश का नेतृत्व किसी व्यापारी के हाथ में पहुंच जाता है तो वह आम जनता के हितों से बेखबर हो जाता है। ऐसा मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि ऐसा भारत के महान राजनीतिक दार्शनिक आचार्य चाणक्य ने अपनी कालजयी पुस्तक अर्थशास्त्र में लिखा है। अत: हमने देखा कि ईरान-इजराइल युद्ध में सभी मानद नैतिकताएं टूटीं और सामान्य नागरिक इसका शिकार बने। इसका असली कारण यही है कि ट्रम्प की व्यापारी नजर दुनिया के विभिन्न आय स्रोतों को केवल मुनाफा कमाने की गरज से आंक रही है लेकिन उनके इस नजरिये का अब अमेरिका के नागरिकों में भी भारी विरोध होना शुरू हो गया जिसकी वजह से वह इस युद्ध से जल्दी से जल्दी छुटकारा पाना चाहते हैं।

किराये का दुख

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कंचनपुर गांव के चतुर सुजान घपलेराम ने जब इस बार प्रधानी का चुनाव लड़ा, तो उन्होंने गांव की सबसे बड़ी और प्राकृतिक समस्या को अपना हथियार बनाया-समय का अभाव। घपलेराम का तर्क था कि आज का ग्रामीण इतना व्यस्त है कि उसके पास अपने रिश्तेदारों की मृत्यु पर रोने या बीमार पड़ोसी का हाल चाल पूछने तक का समय नहीं है। उन्होंने अपने घोषणापत्र में वादा किया कि जीतते ही वे गांव में इमोशनल आउटसोर्सिंग केंद्र खोलेंगे। यदि आपके घर में कोई गमी हो जाए और आपको दफ्तर जाना हो, तो सरकार की ओर से प्रोफेशनल रोदली भेजी जाएगी जो आपके हिस्से का विलाप ससुरारी धुन में करेगी। गांव के लोग, जो सामाजिक लोकलाज और काम के बोझ के बीच पिसे जा रहे थे, अचानक इस किराये की संवेदना वाले विचार पर ऐसे रीझे कि उन्हें घपलेराम साक्षात कलयुग के श्रवण कुमार लगने लगे।



व्यंग्य

प्रचार के अंतिम चरण में घपलेराम ने गांव की चौपाल पर एक आँसू-बैंक स्थापित किया। यह वास्तव में एक पुराना वाटर कूलर था जिस पर उन्होंने संवेदना संग्राहक लिखवा दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की प्रतिज्ञा करेगा, उसके जीवन के सारे सामाजिक कर्तव्य यह मशीन स्वचालित रूप से निभा देगी। विपक्षी उम्मीदवार सीधे सादे राम खड़ंजे और हैंडपंप की बात कर रहे थे, लेकिन जनता को तो उस भविष्य की चिंता थी जहाँ उन्हें किसी की तेहरवीं में बैठकर झूठी उदासी नहीं दिखानी पड़ेगी। घपलेराम ने कुछ भाड़े के कलाकारों को बुलाकर गांव में एक मॉक विलाप करवाया, जिसे देखकर ग्रामीणों को लगा कि अब उनकी आत्मा का बोझ हल्का हो गया है। लोग अपनी मेहनत की कमाई घपलेराम के चरणों में अर्पित करने लगे ताकि उनका सामाजिक जीवन ऑटो-पायलट मोड पर आ सके।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और घपलेराम की प्रचंड जीत हुई, पूरा गांव अपने संवेदना कूपन लेने उनके घर पहुँचा। लोग चाहते थे कि अगले हफ्ते होने वाली एक शादी और दो मुंडनों के लिए घपलेराम अपने प्रोफेशनल प्रतिनिधि भेजें। घपलेराम अपनी नई सफारी गाड़ी से उतरे और सबके हाथ में एक-एक पत्थर थमाते हुए बोले- भाइयों, संवेदनाएं आउटसोर्स नहीं होतीं, सिर्फ बेची जाती हैं! जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर, हमारे उन प्रोफेशनल रोने वालों का क्या हुआ? घपलेराम ने चश्मा ठीक किया और ठहाका मारकर बोले, मूर्खों! रोने वाले तो तुम खुद हो जो अगले पांच साल तक अपनी इस बेवकूफी पर मातम मनाओगे। मैंने तो तुम्हारी भावनाओं का सौदा करके शहर में अपना इवेंट मैनेजमेंट का दफ्तर खोल लिया है। अब इन पत्थरों को अपने सीने पर रखो और खुद के भाग्य पर रोना शुरू करो। जनता सन्न खड़ी उस सूखे वाटर कूलर को देख रही थी और घपलेराम इमोशनल बिजनेस की धूल उड़ाते हुए शहर की ओर उड़नछू हो गए।

होर्मुज संकट से बेहाल दुनिया को चीन की ऊर्जा नीति से सीख लेनी चाहिए

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं।



नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एक सख्त सच्चाई उभर कर सामने आ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की सांसें रोक दी हैं, लेकिन इस उथल पुथल के बीच चीन एक अलग ही खेल खेलता नजर आ रहा है। जहां एशिया के कई देश ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं चीन आत्मविश्वास से भरा हुआ है और दावा कर रहा है कि उसके पास ऊर्जा का पर्याप्त रणनीतिक भंडार है।

दरअसल, यह आत्मविश्वास यूं ही नहीं आया। चीन ने पिछले कई वर्षों में एक ऐसी रणनीति तैयार की है जिसने उसे वैश्विक तेल आपूर्ति के झटकों से काफी हद तक सुरक्षित बना दिया है। जब दुनिया तेल के लिए समुद्री मार्गों पर निर्भर है, चीन ने अपनी निर्भरता को योजनाबद्ध तरीके से कम किया है।

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि चीन की तेल खपत अब स्थिर होने लगी है।

आंकड़े बताते हैं कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा है, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था। यह बदलाव मामूली नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा भू राजनीति की दिशा बदलने वाला संकेत है।

चीन की दूसरी सबसे बडी ताकत उसका विविधीकृत आयात तंत्र है। जहां जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश एक या दो आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर हैं, वहीं चीन ने अपने तेल स्रोतों को आठ से ज्यादा देशों में फैला रखा है। रूस, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों से सस्ता तेल लेकर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों को भी अपने हित में बदल लिया है। रणनीतिक दृष्टि से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यदि किसी एक क्षेत्र में संकट आता है, तो चीन पूरी तरह ठप नहीं होगा।

तीसरा और सबसे खतरनाक दांव है चीन का विशाल तेल भंडार। अनुमान है कि उसके पास इतना तेल जमा है कि वह होर्मुज मार्ग बंद होने की स्थिति में करीब सात महीने तक अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। यह भंडारण केवल



आर्थिक सुरक्षा नहीं बल्कि सामरिक हथियार भी है। देखा जाये तो ऊर्जा सुरक्षा के इस खेल में चीन ने केवल तेल पर ही भरोसा नहीं किया है। उसकी बिजली व्यवस्था लगभग आत्मनिर्भर हो चुकी है। कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा के दम पर चीन ने अपने ग्रिड को बाहरी निर्भरता से लगभग मुक्त कर लिया है।

इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा का विस्फोटक विस्तार इस बात का संकेत है कि चीन भविष्य की ऊर्जा लड़ाई के लिए पहले ही तैयार है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि उसे कम एलएनजी आयात करना पड रहा है और तटीय इलाकों की निर्भरता भी घट रही है। गैस के मामले में भी चीन ने चालाकी दिखाई है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए उसने रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से सीधी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है।

इससे समुद्री मार्गों पर निर्भरता और कम हो गई है। सामरिक नजरिए से देखें तो यह पूरी रणनीति एक गहरी सोच का परिणाम है। चीन ने समझ लिया था कि भविष्य की जंग केवल हथियारों से नहीं बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण से जीती जाएगी।

आज जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडरा रहा है, तब भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश चिंता में डूबे हुए हैं। लेकिन चीन इस संकट को अवसर में बदलने की स्थिति में है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की तेल मांग अब चरम पर पहुंचकर घटने की ओर बढ़ रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में उसकी आयात निर्भरता और कम होगी, जिससे वैश्विक बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम एक साफ संदेश देता है। जो देश समय रहते अपनी ऊर्जा रणनीति नहीं बदलेंगे, वे आने वाले संकटों में बुरी तरह फंस सकते हैं। चीन ने यह साबित कर दिया है कि दीर्घकालिक योजना, आक्रामक निवेश और रणनीतिक विविधीकरण के दम पर किसी भी वैश्विक संकट को मात दी जा सकती है। अब सवाल यह है कि क्या बाकी दुनिया इस सबक को समझेगी या फिर अगला संकट उन्हें पूरी तरह झकझोर देगा।

वर्तमान समय जनजातीय समाज के विकास का अभूतपूर्व कालः राज्यपाल मंगूभाई पटेल

भोपाल ।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्तमान समय जनजातीय समाज के विकास का अभूतपूर्व काल है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनजातीय वर्ग का समग्र विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन), धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय समाज के समग्र विकास और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह बात राज्यपाल पटेल ने बुधवार को मंडला जिले के बिछिया विकासखंड के कन्हारीकला में दुधारू पशु वितरण एवं स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल पटेल ने कहा कि दूध का पहले बच्चों के पोषण में उसके बाद अतिरिक्त दूध को बेचकर आय बढ़ाने में उपयोग करें। पशुओं की देखभाल बच्चों की तरह ही करनी चाहिए। समय पर चारा, पानी और बीमारी होने पर दवाइयों का ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बड़े स्तर पर सिकलसेल जांच अभियान चलाया जा रहा है। अब तक एक करोड़ 28 लाख लोगों की जांच की जा चुकी है। उन्होंने जेनेटिक कार्ड को बीमारी की रोकथाम का तरीका बताया। कार्ड का मिलान कर विवाह करने का परामर्श दिया। उन्होंने बताया कि गर्भस्थ और प्रसूति के 72 घंटे के



भीतर नवजात शिशुओं की भी जांच संभव है। जांच के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इन प्रयासों से बच्चों का वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य और भविष्य सुरक्षित होगा। सामाजिक कार्यकर्ताओं से जनजातीय क्षेत्रों में जाकर लोगों को बीमारी के लक्षण और जांच के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए कहा। राज्यपाल पटेल ने कार्यक्रम के दौरान बैगा जनजातीय नृत्य प्रस्तुति की सराहना की। जनजातीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर को संरक्षित और प्रोत्साहित करना सभी की जिम्मेदारी बताई। प्रवास के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य शिविर, पशु मेले एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया और गो-पूजन किया। गो-माता को फूल माला पहनाई और गुड़-केला खिलाया। संबंधितों के साथ चर्चा में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और पर्यावरण के समन्वित विकास पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की पहली पाठशाला आंगनवाडी हैं, जहां उनके समग्र विकास की मजबूत नींव रखी जाती है। उन्होंने कहा कि हरित भविष्य के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जल संरक्षण के साथ बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए घर में उपयोग किए गए पानी से आंगनवाड़ी की पोषण वाटिका की सिंचाई करने के लिए कहा है। राज्यपाल के आंगनवाड़ी आगमन पर आत्मीयता, संस्कार और उत्सव का समन्वय देखने को मिला। राज्यपाल की आंगनवाड़ी में उपस्थिति पर नन्ही बच्ची प्रिया भारतीय और राज्यमंत्री लखन पटेल ने जन्मदिवस की खुशियों को केक काटकर साझा किया। राज्यपाल ने परिसर में अशोक का पौधा रोपित किया।

हर घर में शिक्षा का दीप जले, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे : खाद्य मंत्री राजपूत



भोपाल । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि हर घर में शिक्षा का दीप जलना चाहिए और कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। शिक्षा वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करती है। मंत्री राजपूत सागर स्थित सांदीपनी विद्यालय (महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय) में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रवेश उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति जागरूकता, नए सपनों की शुरुआत और उज्ज्वल भविष्य की ओर पहला कदम है। जब कोई बच्चा पहली बार विद्यालय की दहलीज पर कदम रखता है, तो वह केवल स्कूल में प्रवेश नहीं करता बल्कि ज्ञान, संस्कार और आत्मनिर्भरता की दुनिया में प्रवेश करता है।मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रवेश उत्सव का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा विद्यालय से जुड़े, शिक्षा प्राप्त करे और अपने जीवन को सफल बनाए। आज भी कई बच्चे ऐसे हैं जो किसी न किसी कारण से शिक्षा से दूर रह जाते हैं। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि हर घर का हर बच्चा स्कूल जाए और अपने सपनों को पूरा करे।मंत्री राजपूत ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता दें, क्योंकि आज की शिक्षा ही कल के सशक्त भारत का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विद्यार्थियों के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिनके तहत निशुल्क पाठ्य पुस्तकें, साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप सहित विभिन्न छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं। मंत्री राजपूत ने मेधावी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक और छात्राएं उपस्थित रहीं।

चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव करें तैयार : उप मुख्यमंत्री शुक्ल



भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्विभागीय विषयों की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए अहम निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के मॉडल के आधार पर नियुक्ति की शर्तों एवं प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कैबिनेट अनुमोदन के लिये भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नर्सिंग एडमिशन प्रक्रिया को आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर सक्षम समिति के अनुमोदन के लिए शीघ्र अग्रेषित करने को कहा। उन्होंने क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक के लिए पदों की स्वीकृति, मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में सीटीवीएस सेवा, सागर में कैंसर अस्पताल की स्थापना और चिकित्सालयों में जन आश्रय सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सोनोग्राफी कोर्स पूर्ण कर चुके स्त्री रोग विशेषज्ञों को संबंधित रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत करने के विषय में उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि इस संबंध में शासन का पक्ष प्रस्तुत करते हुए प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय शुक्ला, आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस तथा अपर सचिव सामान्य प्रशासन अजय कटसेरिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा की बैठक में केंद्रीय मंत्री सिंधिया के आगमन को लेकर हुई चर्चा



अशोकनगर। भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक बुधवार को स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरवीर सिंह रघुवंशी ने बताया कि बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, अपेक्षित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आगामी 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस मनाया जाने को लेकर चर्चा हुई, इसी के साथ केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के जिले में भ्रमण को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए ने कहा कि हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय, प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 5, 6,7 अप्रैल को मंडल, जिला कार्यालय पर विद्युत साज सज्जा, पुष्प माला साज सज्जा, दीप मालिका एवं रांगोली, 6 अप्रैल को ध्वजारोहण एवं उद्बोधन, प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्य सम्मलेन सभी कार्यालयों पर भाजपा इतिहास, विकास यात्रा पर उद्बोधन बूथ, मंडल, जिला कार्यालय पर मिष्ठान वितरण भी करना है। 6 अप्रैल को अपने घरों पर ध्वजारोहण प्रत्येक कार्यकर्ता अपने घर पर भाजपा का ध्वज फहराये। 8 और 9 अप्रैल को सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन होगा जिसमें जिला एवं प्रदेश से वक्ता रहेंगे। इस दौरान पूर्व विधायक जज्जी ने सांसद सिंधिया के आगमन को लेकर विस्तार से जानकारी दी, एवं कार्यकर्ताओं से स्वागत की अपील की।

शासकीय मेडिकल कॉलेज ग्वालियर एवं जबलपुर में प्रस्तावित सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन कार्यों को शीघ्र दें अंतिम रूप : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की समीक्षा बैठक ली

भोपाल ।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर एवं जबलपुर स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रस्तावित सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन कार्यों की वृहद समीक्षा की। उन्होंने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक (स्टेट ऑफ द आर्ट) सुविधाएं विकसित की जाएं तथा मरीजों की सुविधा और उन्नत चिकित्सा के सभी प्रावधान सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल, आयुक्त धनराजू एस, एमडी बीडीसी सिबी चक्रवर्ती सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध रूप से स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की दिशा में कार्य किया जाए, जिससे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक



सुदृढ़ एवं सुलभ बनाया जा सके। बैठक में बताया गया कि ग्वालियर स्थित जयारोग्य अस्पताल के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के लिये प्रथम चरण में लगभग 911 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस चरण में एमसीएच एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के उन्नयन सहित विभिन्न निर्माण कार्य शामिल हैं। कार्य पूर्ण होने के पश्चात अस्पताल के निर्मित क्षेत्र (बिल्ट-अप एरिया) में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी, साथ ही ओपन स्पेस एवं ग्रीन एरिया में 7 से 8 प्रतिशत तक विस्तार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एसटीपी एवं ईटीपी के माध्यम से परिसर को जीरो डिस्चार्ज कैंपस के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में वर्तमान 750 बिस्तरीय अस्पताल को उन्नत कर 1200 बिस्तरों तक विस्तारित किया जाएगा। साथ ही सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का विस्तार, हॉस्टल सुविधाओं का विकास तथा रेजिडेंशियल ब्लॉक के निर्माण कार्य भी प्रस्तावित हैं। गजरा राजा मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के लिए चरणबद्ध विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। प्रथम चरण में 1050 बिस्तरीय मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय, 600 बिस्तरीय स्पेशियलिटी चिकित्सालय, 100 बिस्तरीय टीबी एवं आइसोलेशन वार्ड का विस्तार और 100 बिस्तरीय रेडियोथेरेपी एवं कैंसर अस्पताल का विस्तारीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही प्रशासनिक भवन, नर्सिंग महाविद्यालय, 500 बिस्तरीय नर्सिंग छात्रावास, आवासीय इकाइयां, सर्विस ब्लॉक, पार्किंग तथा बाह्य विकास कार्य भी किए जाएंगे, जिन पर लगभग 911 करोड़ रुपये की लागत का प्रावधान है। द्वितीय चरण में 1500 सीटर ऑडिटोरियम, मरीजों के परिजनों के लिए डॉर्मिटरी, सेंट्रल ड्रग स्टोर, आवासीय इकाइयां तथा पीजी छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा।

जैन मंदिर की नींव खुदाई से मकानों में चली दरारें

अशोकनगर। जिले के शाढ़ौरा में जैन मंदिर निर्माण के लिए चल रही नींव की खुदाई ने आसपास के मकानों को खतरे में डाल दिया है। गहरी खुदाई के चलते कई घरों में दरारें आ गई हैं, जबकि तीन मकान ऐसे हैं जो गिरने की कगार पर पहुंच गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। जानकारी के मुताबिक मंदिर निर्माण के लिए एलएनटी (हिटेची) मशीन से करीब 35 फीट गहरी खुदाई की जा रही है। लगातार खुदाई से आसपास की जमीन कमजोर हो गई, जिससे मकानों की दीवारों में चौड़ी दरारें पड़ गईं। कुछ मकान तो नींव की ओर झुक गए हैं, जिससे उनके ढहने का खतरा और बढ़ गया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और खुदाई कार्य का विरोध करने लगे। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभावित मकानों को खाली कराया। परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया और उनके सामान को भी बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रभावित लोगों ने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर सीएमओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के गहरी खुदाई की गई, जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई।

सिलेंडर न मिलने से परेशान उपभोक्ताओ ने किया चक्काजाम

अशोकनगर। शहर में गैस सिलेण्डर की किल्लत अभी भी बनी हुई है। बुधवार को कोलूआ रोड स्थित जय बाबा इंडियन गैस एजेंसी के बाहर लोगों ने चक्काजाम कर दिया। वे सिलेंडर न मिलने से आक्रोशित होकर सडक़ पर उतर आए और अपने वाहनों को रखकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि नंबर लगाने के लगभग 15 दिन बाद उन्हें सिलेंडर मिलना था। वे इस दौरान कई बार एजेंसी गए, जहां उन्हें आश्वासन दिया गया कि सिलेंडर उनके घर पहुंचा दिया जाएगा। उनकी पासबुक पर डिलीवरी भी चढ़ा दी गई थी, लेकिन आज तक सिलेंडर नहीं पहुंचा। लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उनके नाम की टंकी पहले ही आ चुकी है, तो उन्हें क्यों नहीं दी जा रही है।



इस प्रकार उन्होंने गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी किए जाने के आरोप भी लगाए। सूचना मिलने पर देहात थाना पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर सडक़ से हटाया, जिसके बाद चक्का जाम समाप्त हुआ।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के सांसद प्रतिनिधि द्वारा घटिया निर्माण पर उठे सवाल

एक साल भी नहीं टिकी साढ़े 16 लाख की सडक़, निर्माता भारिल्ल एण्ड कंपनी को नोटिस

अशोकनगर ।

जिले में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम पंचायत बरखेड़ा जागीर अंतर्गत डाइट प्रशिक्षण केन्द्र के पास करीब 16 लाख 54 हजार रुपये की लागत से बनी सीसी सडक़ एक साल पूरा होने से पहले ही जर्जर हो गई है।

सडक़ निर्माण में कथित लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर अब राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार यह सडक़ वर्ष 2024-25 में खनिज प्रतिष्ठान मद से स्वीकृत हुई थी, जिसका निर्माण ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) संभाग अशोकनगर द्वारा कराया गया था। निर्माण का जिम्मा मेसर्स भारिल्ल एण्ड कंपनी को दिया गया था, जिसके प्रोपराइटर संजीव जैन हैं। उल्लेखनीय है कि संजीव जैन केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के सांसद प्रतिनिधि भी बताए जाते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही बरती गई है। सडक़ में जगह-जगह मोटी दरारें पड़ गई हैं और किनारों से करीब एक से डेढ़ फीट तक हिस्सा उखड़ चुका है। कई स्थानों पर गिट्टी बाहर आ गई है और सडक़ से धूल उडऩे लगी है, जो सीसी सडक़ के मानकों के विपरीत है। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद



सडक़ की यह स्थिति निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है। इस मामले को लेकर विधायक हरी बाबू राय ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह मामला अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से देखा है। कंक्रीट सडक़ की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें सतह पपड़ी की तरह उखड़ी हुई दिखाई दे रही है, जो स्पष्ट रूप से घटिया निर्माण का संकेत है। उन्होंने कहा कि कंक्रीट पर इस तरह की स्थिति सामान्य नहीं होती। यदि सडक़ से धूल उड़ रही है तो यह साफ तौर पर खराब निर्माण का प्रमाण है। विधायक ने आगे कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखेंगे और जवाब भी मांगेंगे। यह जनता के पैसे का मामला है, किसी भी प्रकार का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चाहे निर्माण किसी ने भी कराया हो, यदि काम घटिया है तो कार्रवाई होनी चाहिए, उन्होंने कहा। मामले में आरईएस विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि अधिकारियों और इंजीनियरों की मिलीभगत से इस तरह का निर्माण कराया गया, जिससे लाखों रुपये की लागत वाली सडक़ समय से पहले ही खराब हो गई। इधर, आरईएस विभाग के एसडीओ महेन्द्र बौद्ध ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार को नोटिस जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय में सुधार कार्य नहीं किया गया तो दोबारा नोटिस जारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पूरे मामले में यह भी चर्चा है कि ठेकेदार के प्रभाव के कारण अब तक किसी ने खुलकर शिकायत करने की हिम्मत नहीं दिखाई। हालांकि सडक़ की मौजूदा स्थिति ने अब प्रशासन को भी कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया है।

इनका कहना

तस्वीरों में सडक़ की सडक़ उखड़ी हुई दिख रही है, जो घटिया निर्माण का संकेत है। उन्होंने कहा कि यह जनता के पैसे का मामला है, जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। कंक्रीट सडक़ की हालत सामान्य नहीं है और धूल उडऩा खराब निर्माण का प्रमाण है। उन्होंने अधिकारियों को पत्र लिखकर जवाब मांगने और दोषियों पर कार्रवाई की बात कही।

हरीबाबू राय,
विधायक अशोकनगर

कलेक्टर ने छात्रों को तिलक लगाकर विद्यालय में कराया प्रवेश



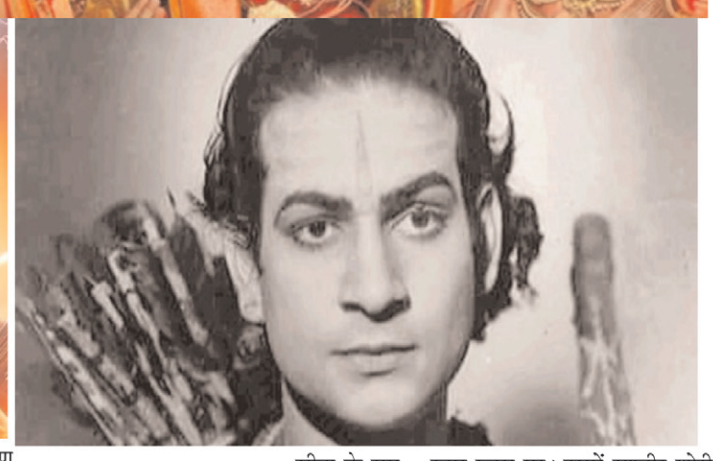
अशोकनगर। बुधवार को नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर जिले के शासकीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव मनाया गया। नये सत्र के पहले दिन स्कूलों में प्रवेश कराने पहुंचे नौनिहालों का तिलक लगाकर, माला पहनाकर और मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया। नए शिक्षा सत्र के पहले दिन स्कूलों को गुब्बारे, रंगोली और फूलमालाओं से सजाया गया। बच्चों का शिक्षक-शिक्षिकाओं ने स्वागत किया गया। विद्यालय में छात्र-छात्राओं को नई किताब दी गई। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा जिला मुख्यालय पर स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अशोकनगर में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को तिलक लगाया एवं पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया। साथ ही उन्होंने छात्र छात्राओं को शुभाशीष देते हुए पढाई में निरंतर आगे बढकर उज्जवल भविष्य की कामना की। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकरपुर टोरिया अशोकनगर में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, जिला शिक्षा अधिकारी सीके सिसौदिया, डीपीसी राहुल शर्मा, प्राचार्य यूएस तिवारी द्वारा मां सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर अभियान का शुभारंभ किया गया।

रामायण पर अब तक बनीं इतनी फिल्में, टीवी सीरियल ने भी बनाए रिकॉर्ड









रामायण के हर एक फैन को नितेश तिवारी की रामायण की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। लेकिन रणबीर कपूर की रामायण की रिलीज से पहले जानिए कि आखिर अब तक कितने सीरियल्स और फिल्में इस पर बन चुके हैं। भारत में रामायण महाकाव्य बहुत पुराना और पवित्र है। यह भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रावण की कहानी बताता है। इस कहानी ने भारतीय सिनेमा को बहुत प्रभावित किया है। सिनेमा के शुरू होने से लेकर आज तक रामायण पर आधारित टीवी सीरियल्स और इससे प्रेरित कई फिल्में बन चुकी हैं।

रामायण पर अब तक कुल कितनी फिल्में बनी हैं

रामायण पर अलग-अलग भाषाओं जैसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, मराठी में फिल्में बनी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 106 साल में लगभग 48 से 50 फिल्में सिर्फ मुख्य रामायण कहानी पर बनीं। अगर हनुमान, लव-कुश, सीता स्वयंवर जैसी अलग-अलग हिस्सों और प्रेरित फिल्मों को भी जोड़ें, तो संख्या 60 से यादा हो जाती है।

रामायण की कुछ प्रसिद्ध फिल्में

लंका दहन (1917) - पहली फिल्म
राम जन्मा (1920) - शुरुआती दौर की
भरत मिलाप (1942) और राम राय (1943) - यह बहुत पॉपुलर हुई
संपूर्ण रामायण (1961)- पूरी रामायण दिखाने वाली
रामायण (1954) - अलग वर्जन में
लव कुश (1997) - राम के बेटों लव और कुश की कहानी।
हनुमान (2005) - एनिमेटेड, बच्चों के लिए पॉपुलर।
रामायण- द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा (1992/2001) - जापान और भारत के साथ मिलकर बनी एनिमेटेड फिल्म।
आदिपुरुष (2023) - प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान की फिल्म। जिसे दर्शकों ने यादा पसंद नहीं किया।
इसके अलावा कई भाषाओं में भी रामायण पर फिल्में बनीं हैं। जिनमें तेलुगु में सीता कल्याणम, श्री राम पत्ताभिषेकम। दक्षिण भारत में रामायण पर आधारित फिल्में अक्सर डब करके दूसरी भाषाओं में रिलीज होती आई हैं।

सबसे प्रसिद्ध रही रामानंद सागार की रामायण

रामायण भारत का महाकाव्य बहुत पुराना और पवित्र ग्रंथ है। इसे टीवी पर कई बार अलग-अलग सीरियल्स के रूप में बनाया गया है। सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय सीरियल रामानंद सागर का बना रामायण है, जो 1987-1988 में दूरदर्शन पर आया था। इसमें अरुण गोविल ने राम, दीपिका चिखलिया ने सीता और रवि जैन ने लक्ष्मण का रोल निभाया था। यह सीरियल इतना हिट हुआ कि पूरे देश में रविवार सुबह 9-30 बजे सड़कें सूनी हो जाती थीं। 78 एपिसोड थे और इसे 80-90 प्रतिशत लोगों ने देखा था। यह आज भी एक रिकॉर्ड है।

रामायण पर बने मुख्य टीवी सीरियल्स

रामायण (1987-1988) - रामानंद सागर द्वारा दूरदर्शन पर। यह सबसे मशहूर और क्लासिक वर्जन है। बाद में कई बार दोहराया गया, खासकर 2020 के लॉकडाउन में फिर बहुत देखा गया।
रामायण (2002) - जी टीवी पर। यह रामानंद सागर के बाद का एक वर्जन था।
रामायण (2008-2009) - इमेजिन टीवी पर। इसमें गुरमीत चौधरी राम बने थे और देबीना बनर्जी सीता। यह काफी लंबा चला (लगभग 300 एपिसोड)।
रामायण (2012)- एक और वर्जन, जो टीवी पर प्रसारित हुआ।
सीता के राम - स्टार प्लस पर। इसमें रणवीर शोरी राम और माधवी योगी सीता बनी थीं। यह राम और सीता की कहानी पर यादा फोकस करता था।
राम सिया के लव कुश - कलर्स टीवी पर। यह रामायण की कहानी को आगे बढ़ाते हुए लव-कुश पर फोकस करता था।
श्रीमद् रामायण- सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर। इसमें सुजय रेउ राम बने हैं। यह नया वर्जन है और अभी भी चल रहा है या हाल ही में प्रसारित हुआ।
इसके अलावा, रावण नाम का एक सीरियल भी रामायण पर आधारित था (रावण की कहानी पर)।
रामायण पर कितने टीवी सीरियल्स बन चुके हैं
कुल मिलाकर, मुख्य हिंदी टीवी सीरियल्स की संख्या 7-8 के आसपास है, लेकिन अगर छोटे या कम प्रसिद्ध वर्जन्स को जोड़ें तो और भी हो सकते हैं। अभी तक कोई आधिकारिक गिनती नहीं है कि कुल कितने सीरियल्स रामायण पर बने हैं, लेकिन विकिपीडिया और बाकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रामायण पर आधारित टीवी सीरियल्स की कैटेगरी में 20 से यादा एंट्रीज हैं।

दूसरों को खुश करने में नहीं, खुद को पहचानने में है सफलता : कंगना



हाल ही में इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने संदेश में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने लोगों को दूसरों को प्रभावित करने की बजाय खुद को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने लिखा कि लोग किसी को इसलिए पसंद नहीं करते क्योंकि वह दयालु, सफल या उदार है, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद भी ऐसे गुण रखते हैं। उनके अनुसार, किसी को प्रभावित करने की कोशिश करना व्यर्थ है, क्योंकि सामने वाला तभी प्रभावित होगा जब वह खुद उस सोच का होगा। कंगना ने अपने संदेश में यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा दूसरों को खुश करने की कोशिश करता है, तो लोग उससे दूरी बनाने लगते हैं और कई बार नफरत भी करने लगते हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपना सही समूह चुनें और वहां रहने की कोशिश न करें जहां वे असहज महसूस करते हैं। उनका कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी पहचान के साथ आगे बढ़ना चाहिए और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीना चाहिए। अभिनेत्री ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए भी यह दिखाया है कि बिना किसी गॉडफादर के भी सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाई और बाद में राजनीति में कदम रखते हुए संसद तक का सफर तय किया। कंगना उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने हर परिस्थिति में संघर्ष करते हुए अपनी जगह बनाई है। फिल्मी करियर के दौरान उन्होंने इंडस्ट्री में फैले भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई थी। उन्होंने कई निर्माताओं और निर्देशकों पर आरोप लगाए कि वे केवल अपने करीबी लोगों को अवसर देते हैं। इस मुद्दे पर उन्होंने करन जौहर समेत कई नामों को लेकर भी खुलकर बयान दिए थे, जिससे वह लंबे समय तक सुर्खियों में रहीं। वर्तमान में कंगना रनौत फिल्मों के साथ-साथ जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वह अपने संसदीय क्षेत्र मंडी के विकास और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों में जुटी हैं। इसके अलावा, सांसद बनने के बाद वह खादी को बढ़ावा देने और पारंपरिक साड़ियों के जरिए भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि कंगना रनौत एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। संसद से लेकर सोशल मीडिया तक अपनी स्पष्ट राय रखने के लिए जानी जाने वाली कंगना ने इस बार फैंस को मोटिवेट करते हुए जीवन से जुड़ी अहम बातें साझा की हैं।

शानदार काम करने में सक्षम हैं आदित्य धर: विवेक अग्निहोत्री



बॉलीवुड फिल्म निर्माता आदित्य धर की स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज'को दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसकी कहानी, एक्शन सीक्वेंस और तकनीकी पक्ष की खूब सराहना हो रही है। हाल ही में अब मशहूर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी फिल्म की खुलकर प्रशंसा की है। सोशल मीडिया के जरिए अग्निहोत्री ने फिल्म और इसकी पूरी टीम को बधाई देते हुए अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने बताया कि वे पिछले कुछ दिनों से कैलिफोर्निया के एक गांव में थे, जिसकी वजह से फिल्म नहीं देख पाए थे। बाद में उन्होंने खास तौर पर लॉस एंजेलिस जाकर इस फिल्म को देखा। फिल्म देखने के बाद उन्होंने इसे बेहद प्रभावशाली बताया और कहा कि यह इतनी बेहतरीन है कि उस पर कुछ और कहना अनावश्यक लगेगा। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आदित्य धर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे सिनेमा के माध्यम से शानदार काम करने में सक्षम हैं। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की, लेकिन विशेष रूप से दो तकनीकी पहलुओं को उजागर किया। विवेक ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी और प्रोडक्शन डिजाइन को विश्वस्तरीय बताते हुए इन क्षेत्रों में काम करने वाले कलाकारों की तारीफ की। उन्होंने खासतौर पर सिनेमैटोग्राफी के लिए विकास के कैमरा वर्क को सराहा और प्रोडक्शन डिजाइन के लिए सैनी जोहराय के काम को उल्लेखनीय बताया। उनके अनुसार, सिनेमा में कैमरा और प्रोडक्शन डिजाइन एक-दूसरे के पूरक होते हैं और जब इन दोनों में बेहतरीन तालमेल होता है, तभी कोई फिल्म वास्तव में उत्कृष्ट बनती है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में इन दोनों विभागों का समन्वय नई मिसाल पेश करता है। विवेक अग्निहोत्री ने आदित्य धर को एक सुझाव भी दिया और कहा कि वे अपने काम को लेकर सजग रहें, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री का सिस्टम कई बार चुनौतीपूर्ण और आकर्षक दोनों हो सकता है। उन्होंने पूरी टीम को 'धुरंधर' बताते हुए सभी के काम की सराहना की।

हमें कभी भी खुद को सीमित नहीं समझना चाहिए : अक्षय कुमार

टीवी शो के एक ताजा एपिसोड में अभिनेता अक्षय कुमार ने एक कंटेस्टेंट को जीवन का अहम सबक देते हुए बताया कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं होता और हमें कभी भी खुद को सीमित नहीं समझना चाहिए। दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट स्तुति ने अपनी सोच साझा करते हुए कहा कि उसे लगता है कि कुछ लोग उसकी लीग से बाहर होते हैं। उसने बताया कि वह लंबे समय से शाहरुख खान को पसंद करती थीं और जब उनकी शादी गौरी खान से हुई, तो उनका दिल टूट गया। इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर शाहरुख नहीं तो आर्यन खान सही, लेकिन फिर उन्हें लगा कि आर्यन भी उनकी पहुंच से बाहर हैं। कंटेस्टेंट की इस बात पर अक्षय कुमार ने उसे समझाते हुए कहा कि जिंदगी में किसी भी चीज को अपनी पहुंच से बाहर मान लेना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि इंसान को हमेशा अपने सपनों पर विश्वास रखना चाहिए और अवसर मिलने पर उसे अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अक्षय ने अपनी निजी जिंदगी का उदाहरण देते हुए बताया कि उनकी शादी टिवंकल खन्ना से हुई है, जो दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना और अभिनेत्री डिंपल कपाडिया की बेटी हैं। उन्होंने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा कि जब वह छोटे थे, तब उनके माता-पिता उन्हें मुंबई के कार्टर रोड और बैंडस्टैंड घुमाने ले जाते थे, जहां वे दूर से राजेश खन्ना को देखा करते थे।

मिडलाइफ में खुद को अधिक सशक्त बना सकती है महिलाएं: लीसा रे



एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री लीसा रे ने स्पष्ट किया कि मिडलाइफ को कमजोरी या ठहराव के दौर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह जीवन का ऐसा चरण है, जहां महिलाएं खुद को और अधिक सशक्त बना सकती हैं। अभिनेत्री ने मिडलाइफ और महिलाओं के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर खुलकर अपने विचार साझा किए हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के साथ उन्होंने बताया कि यह वीडियो साल 2026 की शुरुआत में रिकॉर्ड किया गया था। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब वह मिडलाइफ महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े एक प्लेटफॉर्म से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं उन्हें फॉलो कर रही हैं, ऐसे में यह जरूरी है कि इस उम्र को लेकर सही सोच विकसित की जाए। लीसा रे ने अपने पोस्ट में लिखा कि मिडलाइफ का मतलब धीमा पड़ना नहीं है, बल्कि यह समय आगे बढ़ने और खुद को बेहतर बनाने का होता है। उन्होंने कहा कि अक्सर महिलाएं यह सोचती हैं कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) लेना चाहिए या नहीं, लेकिन उनके अनुसार असली सवाल यह नहीं है। असली बात यह है कि इस नए जीवन चरण में खुद को स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मविश्वास से भरपूर कैसे रखा जाए। उन्होंने यह भी माना कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कई मामलों में मददगार साबित हो सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है, लेकिन मिडलाइफ को सिर्फ दवाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे एक व्यापक प्रक्रिया बताया, जिसमें शरीर और मन दोनों की जिम्मेदारी खुद उठानी होती है। लीसा ने महिलाओं को व्यावहारिक सुझाव देते हुए कहा कि इस उम्र में वेट ट्रेनिंग को अपनी दिनचर्या का जरूरी हिस्सा बनाना चाहिए। इसके साथ ही पर्याप्त प्रोटीन और नींद को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। उन्होंने नर्वस सिस्टम की देखभाल पर भी जोर दिया और कहा कि यह काम नियमित रूप से होना चाहिए, न कि कभी-कभी। अभिनेत्री ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब वे अपनी सेहत का केवल ध्यान न रखें, बल्कि उसकी कमान अपने हाथ में लें। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे आराम, खुशी और अपनी ताकत के लिए किसी से माफी न मांगें और खुद को कमतर आंकने की बजाय आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। अपने संदेश के अंत में लीसा रे ने कहा कि मिडलाइफ किसी गिरावट की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह अपने जीवन के ऑपरेटिंग सिस्टम को अपग्रेड करने का समय है।

प्रियंका चोपड़ा काम और परिवार के बीच बनाती है शानदार संतुलन



अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर मार्च महीने की खास झलकियां साझा कीं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन साफ नजर आता है। हाल ही में शेयर किए गए इस फोटो डंप में प्रियंका चोपड़ा ने कई खास पलों को एक साथ संजोया है। इनमें सबसे ज्यादा ध्यान उनकी बेटी मालती मैरी चोपडा जोनस के साथ बिताए गए क्वालिटी टाइम पर गया। तस्वीरों में मां-बेटी के बीच की खूबसूरत बॉन्डिंग साफ दिखाई देती है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा एक तस्वीर में प्रियंका का आईडी कार्ड भी नजर आया, जो हाल ही में आयोजित नौवें एकेडमी अवॉर्ड्स से जुड़ा बताया जा रहा है। यह झलक उनके ग्लोबल स्तर पर सक्रिय होने और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का हिस्सा बनने की ओर इशारा करती है। पोस्ट में निक जोनस भी नजर आए, जहां वह बेटी मालती को गोद में लेकर कार ड्राइव करते दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा प्रियंका अपने दोस्तों और परिवार के साथ मस्ती करती भी दिखीं। इन तस्वीरों के जरिए उन्होंने अपने पूरे महीने की यादों को एक फ्रेम में समेटने की कोशिश की है। इस फोटो डंप को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में रैंडम मार्च लिखा, जो उनके व्यस्त लेकिन यादगार महीने को दर्शाता है। अगर पूरे महीने की बात करें तो मार्च उनके लिए काफी व्यस्त रहा, जिसमें वह काम के सिलसिले में अलग-अलग देशों की यात्रा करती रहीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने परिवार के साथ समय बिताने में कोई कमी नहीं रखी। इससे पहले भी प्रियंका ने अपने एक पोस्ट से फैंस का ध्यान खींचा था, जिसमें उन्होंने अमृतसर यात्रा की झलक साझा की थी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने एक डिजिटल मैप पोस्ट किया था, जिसमें नई दिल्ली से अमृतसर तक की फ्लाइट का रूट दिखाया गया था।

सिविल सोसाइटी की मदद से जनहितैषी पहल को मिलती है मजबूती- सीईओ जिला पंचायत

आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए जिला पंचायत सीईओ ने किया प्रेरित

(नैतिक क्रांति)

अनूपपुर ब्यूरो नागेंद्र त्रिपाठी



जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने कहा है कि सिविल सोसाइटी की मदद से सरकार की जनहितैषी पहल को मजबूती मिलती है ग्रामीण क्षेत्र में सिकल सेल तथा 3 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए संचालित फुलवारी केंद्र स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था गनियारी का कार्य सराहनीय है। उक्ताशय के विचार जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत करपा में सीटीसी भवन में जन स्वास्थ्य सहयोग का गनियारी द्वारा स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गणेश पाण्डेय,महिला बाल विकास की सहायक संचालक मंजूषा शर्मा,बीएमओ डॉ आरके वर्मा,ग्राम पंचायत करपा के सरपंच हीरा सिंह सहित स्वास्थ्य अधिकारी,जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के जिला समन्वयक विनय विश्वकर्मा एवं टीम के सदस्य आकांक्षी ब्लॉक पुष्पराजगढ़ के फैलो राजस्विनी शर्मा, सुपरवाइजर,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,आशा कार्यकर्ता, पत्रकार तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने आंगनबाड़ी आशा कार्यकर्ताओं को कर्तव्य भाव के साथ स्वास्थ्य कार्यक्रमों का जमीनी स्तर पर समन्वय से कार्य करने निर्देशित किया। उन्होंने एचपी टीकाकरण के तहत लक्षित सभी किशोरियों को टीकाकरण के लिए घर-घर दस्तक देकर प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने आंगनवाड़ी,आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सेवा भाव से कार्य करने प्रेरित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि जिले के सभी 44 डिलीवरी केन्द्रो मे मानक अनुरूप स्वास्थ्य सुविधाओं की वृद्धि की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रो में पदस्थ अमला केंद्र को सुदृढ करने संस्था की देखभाल घर की तरह करें। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के जिला समन्वयक विनय विश्वकर्मा ने संस्था के कार्यो की जानकारी दी। कार्यक्रम को जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के सीईओ,सीडीपीओ, बीएमओ, सरपंच करपा तथा अन्य अधिकारियों ने संबोधित किया।

स्वास्थ्य उपकरण का किया गया वितरण

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी के द्वारा स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सुधारणीकरण कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रो के लिए स्वास्थ्य उपकरण का वितरण किया गया।



श्री ठाकुर बाबा धाम कोतमा में हनुमान जन्मोत्सव की धूम

15 वर्षों से अनवरत जारी है एडवोकेट अमरेंद्र सिंह की अनूठी सेवा

(नैतिक क्रांति)

अनूपपुर ब्यूरो नागेंद्र त्रिपाठी

धर्म और आस्था की नगरी कोतमा में %श्री ठाकुर बाबा धाम मंदिर% में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर बजरंगबली के जयकारों से गुंजायमान रहा। ?हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन और हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौरतलब है कि भक्ति और सेवा की यह अनूठी परंपरा विगत 15 वर्षों से एडवोकेट अमरेंद्र सिंह द्वारा निभाई जा रही है। उनके नेतृत्व में प्रतिवर्ष पूरी श्रद्धा के साथ पूजन पाठ और अनुष्ठान संपन्न कराए जाते हैं।?सवेरे से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुतियां डाली गई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँचकर प्रसाद ग्रहण किया। ?÷यह बजरंगबली की ही असीम कृपा है कि पिछले 15 वर्षों से हमें यह सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मंदिर के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा और सहयोग ही इस भव्य आयोजन की शक्ति है। कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति के सदस्य और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। केसरिया झंडों और फूलों से सजे मंदिर की आभा देखते ही बन रही थी।

धान उपार्जन में मिली भगत और मिलरों को विशेष लाभ पहुँचाने के आरोपों के बीच अधिकारी और प्रशासनिक हलके हड़कंप

(नैतिक क्रांति)

अनूपपुर ब्यूरो नागेंद्र त्रिपाठी

जिले की जिला आपूर्ति अधिकारी अनिता सरोते भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में फंसी हैं। धान उपार्जन के दौरान किसानों और सोसायटियों के साथ मिलीभगत, जानबूझकर फसल रिजेक्ट करवाना और एक ही मिलर को विशेष लाभ पहुँचाने के आरोपों ने प्रशासनिक हलकों में सनसनी मचा दी है।मुख्यालय भोपाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जाँच दल में बड़ा फेरबदल किया है। अब एक उच्च स्तरीय टीम एक सप्ताह के भीतर पूरी रिपोर्ट सौंपेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निष्पक्ष जाँच होने पर अनिता सरोते पर कड़ी कार्रवाई की संभावना है, जिससे जिले में वर्षों से जड़ जमाए भ्रष्टाचार के नेटवर्क पर भी चोट पहुंचेगी। पूर्व में इसी तरह की शिकायतों के आधार पर आउटसोर्स सुश्री मीनाक्षी गुप्ता को बर्खास्त किया गया था, लेकिन डीएसओ अनिता ने उन्हें निर्दोष ठहराया था। इस कदम ने निगम और किसानों के बीच



कार्यालय कलेक्टर, जिला अनूपपुर (म.प्र.)

आदेश

विश्वासघात का संदेश फैलाया। विधायक बिसाहू लाल सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने भी अधिकारियों से सख्त कार्यवाही की मांग की थी। भोपाल मुख्यालय का कड़ा रुख और जाँच दल में बदलाव इस बात का संकेत है कि शासन अब भ्रष्टाचार के मामले को फाइलों में दबाने के मूड में नहीं है। किसानों का कहना है कि उपार्जन केंद्रों पर उनके फसल रिजेक्ट करने और मिलरों को फायदा पहुँचाने की घटनाएँ लंबे समय से जारी थीं।

गुण्डागर्दी और मारपीट के फरार आरोपियों अनीश पटेल और गंगाराम पटेल को न्यायालय में सरेंडर के बाद पुलिस रिमाण्ड पर जेल भेजा गया

(नैतिक क्रांति)

अनूपपुर ब्यूरो नागेंद्र त्रिपाठी

कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने अवैध वसूली और गुण्डागर्दी के फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में की गई।



प्रकरण का संक्षिप्त विवरण 17 मार्च 2026 की रात लगभग 8 बजे, फरियादी अभिजीत सिंह के साथ अनीश पटेल, शिब्बू पटेल, मुकेश पटेल और गंगाराम पटेल ने अवैध उगाही के लिए गुण्डागर्दी और मारपीट की। इस घटना की रिपोर्ट कोतवाली में अपराध क्र. 176/26 धारा 119(1), 296बी, 115(2), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. में दर्ज की गई।

उसी दिन रात्री 11.30 बजे, अमित कुमार शुक्ला के साथ भी समान प्रकार की घटना हुई, जिसकी रिपोर्ट अपराध क्र. 175/26 में पंजीबद्ध की गई।

नक्सल प्रभावित ग्रामों के विकास को लेकर अधिकारियों की अहम बैठक



बालाघाट में 100 गांवों के लिए तैयार हो रहा 300 करोड़ से अधिक का समग्र डेवलपमेंट प्लान

बालाघाट। नक्सलवाद से मुक्त हो चुके बालाघाट जिले में अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। कभी नक्सल प्रभावित रहे गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने ठोस पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 02 अप्रैल को संबंधित विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में बताया गया कि अति नक्सल प्रभावित रहे 100 ग्रामों को चिन्हित कर विभिन्न विभागों के माध्यम से समग्र विकास योजना तैयार की जा रही है, जिसमें 300 करोड से अधिक के कार्य प्रास्तावित किये जा रहे है। कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल वे ही कार्य इस डेवलपमेंट प्लान में शामिल किए जाएं, जो विभागीय योजनाओं के अंतर्गत संभव नहीं हैं, ताकि विशेष योजना के तहत इनका प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ भी उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, सड़क, बिजली, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, पेयजल, महिला एवं बाल विकास और खाद्यान्न वितरण से जुड़े व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

बैठक में बताया गया कि जल संसाधन विभाग द्वारा 16 ग्रामों में सिंचाई योजनाएं तैयार की गई हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा स्टॉपडेम और चेकडेम जैसे लघु सिंचाई कार्य प्रस्तावित हैं। विद्युत विभाग ने सोलर सेंटर एवं ट्रांसफार्मर स्थापना के लिए लगभग 13.50 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 37 ग्रामों में उचित मूल्य दुकान सह 50 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण की योजना है।

प्रवेश उत्सव में बच्चें बने प्युन, 1 किमी दूर से बुलवाई चाय

शासकिय माध्यमिक स्कूल किन्हीं का मामला

बालाघाट। नई कक्षा में प्रवेश करने नया सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया मध्यप्रदेश शासन ने शुरू कर दी है और इसी के तहत में 1 अप्रैल को प्रदेश भर में प्रवेश उत्सव बच्चों के साथ बनाया गया, वहीं ऐसा विडियों सामने आया हैं जिसने शिक्षा विभाग को उत्सव के दिन शर्मींदा कर दिया है। खैरलांजी विकासखण्ड अंतर्गत एकीकृत शासकीय महाविद्यालय किन्ही की प्राधनपाठिका श्रीमती रशमी तुरकर ने बच्चों में उत्साह बड़ाने के बजाए उन्हें प्युन बना दिया और स्कूल से एक किमी दूर चाय लाने के लिए भेजवा दिए। सौभाग्य रहा कि कोई अनहोनी नहीं हुई, लेकिन इसके बाद अब शिक्षा विभाग पर कई सवाल खड़े कर दिए है। जानकारी अनुसार, एकीकृत शासकीय महाविद्यालय किन्ही में प्रधानपाठिका, शिक्षक, शिक्षिकाए, गणमान्य नागरिकगण और विद्यालय में बच्चों का उत्सावर्धन बड़ाने के लिए प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। दोपहर में अतिथियों को चाय पिलाने के लिए प्राधनपाठिका श्रीमती रशमी तुरकर ने कक्षा सातवीं पास करके कक्षा आठवीं में प्रवेश किए हैं, उन तीन बच्चों को चाय के लिए विद्यालय से दूर खैरलांजी से तुमसर रोड़ हाईवे पर साईकिल से सवार होकर फार्म चौंक(अवंती बाई चौक) में मुंजारे जलपान सेंटर में पहुंचे और उन्होने एक केटली में चाय रखकर



वापस विद्यालय के लिए निकल गए। वायरल विडियों में देखा जा रहा हैं कि एक साईकिल में सवार बच्चा के हाथ में चाय की केटली हैं, जो एक बच्चा साईकिल चला रहा हैं तो दूसरा बच्चा पिछे बैठ कर चाय की केटली पकड़ा हुआ हैं। वहीं दूसरा बालक दूसरी साईकिल चला रहा है।

बच्चों ने कहा मैडम ने भेजी...

बच्चों की किसी ने विडियों बना लिए, बच्चों से पुछे जाने पर बोला जा रहा हैं कि हम साईकिल से स्कूल से चाय के लिए आए हैं, हमें मैड़म तुरकर ने भेजा है। इससे यह लापरवाही सामने आई हैं कि बच्चों को अभिभावक पड़ाई कराने के लिए विद्यालय भेजते हैं और शिक्षकों के द्वारा पढ़ाई के बजाए चपराई बनाकर दुकान चाय के लिए भेजवाया जाता हैं।

प्राधन पाठिका बोली हमने भेजा था...

प्राधनपाठिका श्रीमती रशमी तुरकर से फोन पर चर्चा के दौरान कहा कि प्रवेश उत्सव के पश्चात गांव के सरपंच और अन्य लोगों को चाय पिलाना था, तो हमारे पास कोई प्युन नहीं हैं, इसलिए हमने ही स्कूल के बच्चों को चाय के लिए दुकान भेजा था। हम क्या करते हमें तो चाय के लिए भेजना ही था। हमने पुछा की कोई अनहोनी होती तो कौन जिम्मेदार होतो तो जवाब दिया गया कि कैसा कुछ हो जाता, ऐसा कुछ नहीं हुआ हैं। हमारे पास प्युन नहीं है तो चाय पिलाना ही पड़ता है।

इनका कहना हैं

यह मामला आपने संज्ञान में लाया हैं, बीआरसी खैरलांजी को जानकारी से अवगत कराते हुए जांच कराई जाऐगी जो भी जांच में पाया जायेगा, उसके पश्चात ही आगे की कार्यवाही की जायेगी।

अश्वनी उपाध्याय
जिला शिक्षा अधिकारी,बालाघाट

कांग्रेस का गैस ,बिजली, पेट्रोलियम प्रदार्थ के मुद्दे पर धरना प्रदर्शन आज गांधी चौक उमरिया में

उमरिया मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एलपीजी गैस की किल्लत एवं विद्युत मूल्य वृद्धि के मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी गांधी चौक उमरिया में आज धरना प्रदर्शन करेगी। जिला कांग्रेस कमेटी केसंगठन महासचिव एडवोकेट पुष्पराज सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश सहित जिले उमरिया में प्रदेश में व्याप्त एलपीजी गैस सिलेंडर में भारी अनियमिताएं एवं किल्लत व पेट्रोल पदार्थ की मूल वृद्धि एवम् बिजली मूल्य में 4.80: की बेवजह मूल्य वृद्धि के मुद्दे को लेकर गांधी चौक उमरिया में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल के नेतृत्व में जिला कांग्रेस धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेगी,कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी , कांग्रेस प्रकोष्ठों के ब्लॉक, मंडलम, नगर के अध्यक्ष पदाधिकारी एवं कांग्रेस पक्ष के जनप्रतिनिध गण उपस्थित रहेंगे।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम 4 अप्रैल को

उमरिया । म0प्र0 शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल एवं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार स्कूल चले हम अभियान अन्तर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026 को जिले के समस्त शासकीय शालाओं में आयोजित किया जाना है। शासन के निर्देशानुसार 4 अप्रैल 2026 को भविष्य से भेंट कार्यक्रम अन्तर्गत जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी अधिकारीध्कर्मचारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड बच्चों के साथ संवाद करने हेतु

विभा सिंह परस्ते का हॉकी लीग में शानदार प्रदर्शन, एमपी टीम में चयन

उमरिया । जिले के खेलो इंडिया सेंटर उमरिया हॉकी की प्रतिभावान खिलाड़ी विभा सिंह परस्ते ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उमरिया का नाम रोशन किया है। उन्होंने वेस्ट जोन सब जूनियर अस्मिता हॉकी लीग में उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता राजनांदगांव में आयोजित हुई, जहां विभा ने हॉकी मध्यप्रदेश की टीम से खेलते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभा के इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन हॉकी इंडिया सब जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चौम्पियनशिप 2026 के लिए मध्यप्रदेश महिला हॉकी टीम में किया गया है। यह प्रतियोगिता रांची में 1 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी। खेल प्रेमियों का कहना है कि विभा की यह सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और भविष्य में उमरिया से और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।



आदर्श महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का किया गया आयोजन

उमरिया

शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम अचला (धनवाही) में 30 मार्च से 5 अप्रैल 2026 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सीबी सोदिया के संरक्षण एवं कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह हटीला के नेतृत्व में 50 स्वयं सेवकों के साथ किया गया। शिविर के प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह में छात्र-छात्राओं को शिविर की मूल विषयवस्तु युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता से जागरूकता महाविद्यालय के डॉ परमेश्वर सिंह मरावी, डॉ अरुणेंद्र बहादुर,डॉ विजय डाबर सहायक प्राध्यापकों द्वारा स्वयंसेवकों एवं ग्राम वासियों को प्रदान की गई। पूर्णत: ग्रामीण वातावरण में शासकीय माध्यमिक विद्यालय अचला के भवन में महाविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा प्रात: कालीन



योगाभ्यास प्रभात फेरी के बाद परियोजना कार्य के अंतर्गत मंदिर की साफ सफाई एवं मरम्मत कार्य दल नायक भूपेंद्र उपाध्याय ,टीम लीडर रोहित रघुवंशी, लवकुश जायसवाल,सुजीत यादव द्वारा किया गया। सामूहिक सहयोग द्वारा स्वयं निर्मित सुपाच्य भोजन के उपरांत बौद्धिक सत्र में छात्र-छात्राओं को स्वयंसेवकों को डिजिटल अवेयरनेस की जानकारी डॉ राजीव तिवारी, डॉ अरुणेंद्र सिंह एवं डॉ परमेश्वर सिंह द्वारा प्रदान की गई।कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह,डॉ जुगल किशोर,महेंद्र कनोजिया,सूरज द्वारा छात्र-छात्राओं को स्वयंसेवक होने का अर्थ,स्वयंसेवक होने के फायदे एवं स्वयं को समाज से जुड़ने का उपयुक्त माध्यम राष्ट्रीय सेवा योजना बताते हुए छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया गया।

शिविर के आगामी दिवसों में विभिन्न सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों में डिजिटल साक्षरता को युवाओं से जोड़ना एवं समाज को डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूक करना, सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज सेवा करना, श्रमदान,पर्यावरण संरक्षण उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

बचपन में सूरज को फल समझ उड़ चले आसमान ऐसी अलौकिक शक्ति लेकर जन्में श्री हनुमान

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर भगवामय हुई संस्कारधानी, जगह-जगह हुआ भंडारों का आयोजन





जबलपुर

संस्कारधानी में चैत्र मास की पूर्णिमा पर श्रीराम भक्त पवनपुत्र भगवान हनुमान के जन्मोत्सव पर गुरुवार को संस्कारधानी पूरी तरह बजरंगी के भगवा रंग में रंगी नज़र आयी और भगवान् श्रीराम और हनुमान के भक्तिमय माहौल में डूब गई है। शहर के छोटे से लेकर बड़े हनुमान मंदिरों में ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। जगह-जगह पूजन, पाठ, सुंदरकांड, रामायण, हनुमान चालीसा, हवन, महाआरती और भंडारों का आयोजन किया गया। भक्तों ने अंजनीनंदन पुत्र महाबली हनुमान से बल, बुद्धि, विद्या और संकटों से मुक्ति की कामना की। इस कड़ी में भगवान श्री हनुमान प्रकटोत्सव के अवसर पर शहर के ग्वारीघाट स्थित श्री राम लला मंदिर और सुपाताल के बजरंग मठ में विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। ग्वारीघाट मंदिर में 60 वर्ष पुरानी बाल हनुमान प्रतिमा के दर्शन विशेष रूप से खोले गए हैं, जबकि बजरंग मठ में अखंड भजन उत्सव जारी है। ग्वारीघाट के श्री राम लला मंदिर (अर्जी वाले हनुमान) में स्थापित बाल हनुमान की प्राचीन प्रतिमा का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। यह प्रतिमा मंदिर के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी राम निरंजनाचार्य को उनके गुरु द्वारा प्रदान की गई थी, जिसका धार्मिक महत्व अत्यंत विशेष माना जाता है। मंदिर के पुजारी पंडित इंद्रवान महाराज ने बताया कि लगभग 60 वर्ष पूर्व स्थापित इस प्रतिमा के दर्शन वर्ष में केवल एक बार हनुमत जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं के लिए खोले जाते हैं। पहले मंदिर समिति प्रतिमा का पूजन करती है, जिसके बाद भक्तों को प्रतिमा का स्पर्श कर दर्शन-पूजन करने का अवसर मिलता है। मान्यता है कि बाल हनुमान प्रतिमा के स्पर्श और श्रद्धापूर्वक प्रार्थना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

सूपाताल मंदिर में लगा श्रद्धालुओं का तांता

इसी प्रकार सुपाताल स्थित बजरंग मठ अखंड रामायण मंदिर में श्री हनुमत भजन उत्सव श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में आयोजित किया जा रहा है। सुबह 6 बजे से भगवानजी महाराज के सान्निध्य में भजन-कीर्तन प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों का आना-जाना लगातार बना हुआ है। हनुमान भक्तों द्वारा जय श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा है।

भजन मंडलियों द्वारा सुंदरकांड, हनुमान चालीसा और भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जा रही है, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया है। दिनभर दर्शन, पूजन और भजन कार्यक्रम चलते रहेंगे तथा शाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहेगी। इस विशेष अवसर पर प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई है।

नर्मदा किनारे गूंजे जाये हनुमान के नारे

खारीघाट हनुमानगढ़ी में सुबह से ही मंत्रोच्चार, चोलाबंधन, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और हवन हुआ। शाम को विशाल आरती के बाद प्रवचन और भजन संध्या का आयोजन हुआ । साथ ही दिनभर भंडारा चलता रहा । रामलला मंदिर में बाल हनुमान की प्रतिमा के दर्शन पाने लम्बी कतार नज़र आयी क्योंकि बाल हनुमान की प्रतिमा बस इस दिन ही विशेषरूप से गर्भगृह से बाहर निकालकर पूजन किया जाता है ।साथ ही यहां सवा लाख नारियलों के हवन, महाआरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

रानीताल रहा भक्तो से आबाद

रानीताल टेलीग्राफ गेट नंबर चार पेट्रोल पंप स्थित हनुमान मंदिर में भक्ति का माहौल अलग ही स्तर का रहा जहां शाम सात बजे महाआरती और भजन संध्या हुई । वहीं सदर, विजय नगर, नेपियर टाउन, कछियाना, मेडिकल क्षेत्र और रानीताल चौक स्थित मंदिरों में भी दिनभर धार्मिक आयोजन जारी रहे। स्नेहनगर पंचमुखी हनुमान मंदिर में बुधवार को शुक्ला परिवार द्वारा रामायण पाठ और उसके बाद हवन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे गढा, यादव कॉलोनी और रानीताल से श्रद्धालुगण उपस्थित हुए।

हनुमान चालीसा का गान करते हुए निकली पंचकोशी परिक्रमा



हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रत्येक माह की पूर्णिमा को पंचकोशी निकाली जाती हे। ज्ञात हो सैकड़ो वर्षों से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा चैत्र पूर्णिमा पर सुबह 501 वी परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमानजी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति चल चित्र के साथ दुल दुल धोड़ी शेर भालु नृत्य करते डोल की धुन में नर्मदा भक्त हाथों में भगवा ध्वज लेते हुए संकीर्तन मंडलियों के साथ कई चरणों में हनुमान जी महाराज का गुणगान करते हुए निकली। परिक्रमा का नेतृत्व साध्वी शीला मुनि उदासीन संघ प्रचारक भूपेंद्र पाराशर ने किया दान सिंग मास्टर ने जादू दिखाकर मनोरंजन किया। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदासजी महाराज ने परिक्रमा वासियों को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया गया। सह संकीर्तनचार्य सुरेश विश्वकर्मा ने हनुमान चालीसा की हर लाइन पर हवन कर प्रार्थना की ताकि शीघ्र लमेटाघाट सरस्वती घाट का पुल बन जाए। नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया परिक्रमा बेनगंगा पुल से प्रारंभ होकर 64 योगिनी पंचवटी धुआंधार लमेटा घाट से नाव पार कर शनि मंदिर डुडुवाड़ा इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सरस्वती घाट में नाव पार कर आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल, संरक्षक सुषमाशंकर पटेल, श्याम मनोहर पटेल, मीना पटेल आदि उपस्थित रहे।

सिहोरा में निकाली गई विशाल रैली



सिहोरा। भगवान श्री हनुमान जन्मोत्सव पर सिहोरा नगर एवं उपनगर खितौला के साथ ग्रामीण क्षेत्रो में श्रद्धा और आस्था के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हिन्दू उत्सव समिति के तत्वाधान मैं निकाली गई विशाल एवं भव्य वाहन रैली में भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम देखने को मिला।

हनुमान मंदिरो में शाम तक हवन,पूजन, कन्या भोजन तथा भंडारे का दौर चलता रहा। वहीं वाहन रैली पथ पर श्रद्धा का सैलाव उमड़ पड़ा तथा इसमें चल रहे हनुमान राम भक्तों पर महिलाओं ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। रैली की खास बात यह रही की नगर के इस सबसे बडे धार्मिक आयोजन में सारा हिन्दू समाज एक जुट दिखा। जन्मोत्सव पर पूजन अर्चन के बाद बाबाशाला से अपने वाहनो में भगवा ध्वज लगाकर सैकड़ों युवाओं के दोपहिया, तिपहिया वाहनों के साथ विशाल वाहन रैली अंजनी के लाल की, जय श्रीराम, भारत माता की जय के गगन भेदी जयकारे लगाते हुये निकली रैली में हजारो युवा,बच्चे शामिल हुए।विभिन्न मार्गो से होकर निकली रैली में शामिल हनुमान भक्तो का चिलचिलाती धूप में भी उत्साह देखते ही बन रहा था।

फर्जी देयकों के माध्यम से निजी फर्म को कर दिया भुगतान

जिला कार्यक्रम प्रबंधक और फार्मासिस्ट पर कलेक्टर ने की कार्यवाही



जबलपुर । कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में फर्जी देयक लगाकर भुगतान किये जाने के प्रकरण में दोषी पाये जाने पर स्टोर कीपर का दायित्व संभाल रहे फार्मासिस्ट नीरज कौरव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है तथा निलंबन काल में उनका मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुंडम नियत किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने इसी मामले में संविदा आधार पर नियुक्त जिला कार्यक्रम प्रबंधक आदित्य तिवारी एवं फार्मासिस्ट जवाहर लोधी को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से हटाकर जांच पूरी होने तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिहोरा में पदस्थ किया है। संविदा आधार पर इन दोनों कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव डायरेक्टर एनएचएम को भेजा गया है। एक अन्य आदेश में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिला चिकित्सालय में पदस्थ नोडल एनसीडी डॉ. सारिका को वर्तमान कार्यों के साथ-साथ जांच पूरी होने तक अथवा वैकल्पिक व्यवस्था होने तक अस्थाई रूप से जिला कार्यक्रम प्रबंधक का दायित्व सौंपा है।

ये है पूरा मामला

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में फर्जी देयकों के माध्यम से साईनेज निर्माण तथा स्वास्थ्य केन्द्र सामग्री के नाम से भोपाल की निजी कंपनी को बिना सामग्री प्राप्त हुये भुगतान किये जाने की शिकायतें प्राप्त होने पर डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावी के नेतृत्व में जांच दल गठित किया था। जांच में पाया गया था 12 फर्जी देयकों के माध्यम से भोपाल की सिंह एंटरप्राइज़ेज को साइनेज एवं स्वास्थ्य केन्द्र सामग्री के नाम से 93 लाख 04 हजार 998 रूपये का भुगतान किया जा चुका है। जबकि, भौतिक रूप से यह सामग्री प्राप्त ही नहीं हुई थी। जांच रिपोर्ट को आगे की कार्यवाही के लिए डायरेक्टर एनएचएम भोपाल को प्रेषित कर दिया गया है।

जबलपुर रेल मंडल में साधना सप्ताह की हुई शुरुआत



जबलपुर । जबलपुर रेल मंडल में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत साधना सप्ताह का आयोजन 2 से 8 अप्रैल तक किया जा रहा है। इस दौरान सीबीटी सेंटर, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तथा कटनी, दमोह, सागर, सतना, नरसिंहपुर, पिपरिया, ब्यौहारी सहित विभिन्न स्टेशनों, डिपो एवं कार्यालयों में कार्यशालाएं एवं सेमिनार आयोजित किये जायँगे । इन कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों ने पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूल और कोर्सेज में सहभागिता करते हुए 04 घंटे का प्रशिक्षण दिया जायेगा। 'साधना सप्ताह' का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों में क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण के माध्यम से उनके व्यवहारिक ज्ञान एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करना है। मंडल द्वारा इस पहल के माध्यम से कर्मचारियों को आधुनिक कार्य प्रणाली, डिजिटल लर्निंग एवं कुशल प्रशासनिक कार्यशैली के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध महिला की मौत

जबलपुर । पनागर थाने में मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि 60 वर्षीय मंजू लता नामदेव निवासी कटंगा कालोनी शिवाजी वार्ड , पनागर को सड़क दुर्घटना के बाद घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज लाया गया था। जिन्हे डाक्टर ने चैक कर मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना पर मर्ग कायम करते हुए जांच शुरू करदी है।

लिंक क्लिक करते ही बुजुर्ग के खाते से निकले 3.48 लाख रूपए

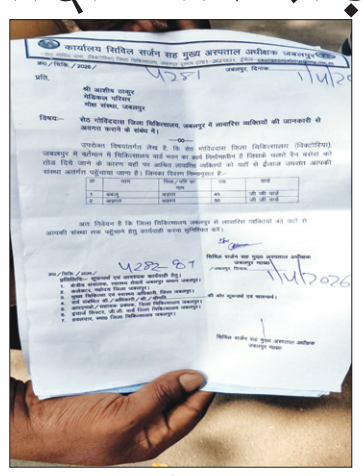
रांझी थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर । डिजिटल युग में जालसाज बुजुर्गों को सब से ज्यादा निशाना बना रहे है। रांझी थाना क्षेत्र के नानक नगर में रहने वाले 61 वर्षीय रमेश सिंह एक डिजिटल साजिश का शिकार हुए। 11 मार्च की रात रमेश सिंह के व्हाट्सएप पर बैंक ऑफ इंडिया के लोगो वाली एक संदिग्ध पीडीएफ फाइल आई, जिसे न्यू वर्जन ऐप बताया गया था। अगले दिन सुबह जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल फोन पूरी तरह हैकर्स के नियंत्रण में चला गया। मोबाइल हैक होते ही रमेश सिंह के फोन पर ओटीपी के संदेशों की झड़ी लग गई और चंद मिनटों में ही उनके बैंक खातों में सेंध लग गई। शातिर अपराधियों ने अलग-अलग किश्तों में उनके बैंक ऑफ इंडिया के खातों से 25 हजार, 1 लाख, 49 हजार 500 और 49 हजार 600 रुपये पार कर दिए। जालसाजों का मन इतने से भी नहीं भरा, उन्होंने अन्य खातों से भी 88 हजार और 49 हजार 552 रुपये उड़ा लिए। इस तरह देखते ही देखते रमेश सिंह के साढ़े तीन लाख रुपए उड़ गए।पुलिस ने मामले की जांच शुरू करदी है।

कागजों में मोक्ष और सड़कों पर सिसकती लावारिस जिंदगियां!

मोक्ष संस्था का अनवरत संघर्ष, जहां थक जाता है सिस्टम, वहां से शुरू होती है इनकी सेवा

जबलपुर आधुनिक समाज और विकसित होते शहर के बीच एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि यहां लावारिस जिंदगियों के लिए संवेदनाएं दम तोड़ रही हैं। हालात यह हैं कि पुलिस प्रशासन हो या अस्पताल प्रबंधन, हर कोई अपनी जिम्मेदारी का पल्ला झाड़कर बेसहारा लोगों को वर्षों से पीड़ित मानवता की सेवा करने वाली संस्था मोक्ष के हवाले कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेता है। सरकारी फाइलों में एक दस्तखत के साथ जिम्मेदारी पूरी हो जाती है, लेकिन पीछे छूट जाती हैं वे जिंदा लाशें जो अपनों, अधिकारों और एक गरिमामय जीवन से पूरी तरह वंचित हैं।



सिस्टम की शिथिलता और बढ़ता बोझ

मोक्ष के संचालक आशीष ठाकुर बताते हैं कि शहर की सड़कों पर या अस्पतालों के वार्डों में दम तोड़ते इन लावारिसों का न कोई सानी है, न किसी को वास्ता। बरसों से यही ढर्रा चल रहा है। चाहे व्यक्ति जीवित हो या मृत, तंत्र उसे कागजी खानापूर्ति कर मोक्ष संस्था के द्वार पर छोड़ देता है। न कोई पहचान, न मदद का हाथ और न ही समाज में कोई हिस्सेदारी। हजारों जीवन आए और खामोशी से चले गए, लेकिन व्यवस्था के ठेकेदारों की नींद नहीं टूटी। ऐसा ही गुरुवार को भी विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती दो मरीजों को 45 वर्षीय बबलू और एक अन्य को अस्पताल प्रबंधन द्वारा अपना पलड़ा झाड़ कर मोक्ष के आश्रय स्थल में छोड़ दिया गया। आशीष ठाकुर ने बताया कि दोनों निराश्रित मरीजों को मोक्ष आश्रय स्थल में रखा जाएगा। जहां उनके रहने से लेकर कपड़े, खाने-पीने आदि सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

मोक्ष संस्था सेवा का अनूठा पर कठिन संकल्प

कोरोना से लेकर आज भी इस विषम परिस्थिति में मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति एक ढाल बनकर खड़ी है। जहां कानून और रसूखदार अपनी आंखें फेर लेते हैं, वहाँ संस्था के कुछ मुट्ठी भर लोग इन बेसहारा जिंदगियों की सेवा में जुटे हैं। आज के दौर में स्थिति ऐसी बन गई है कि निस्वार्थ सेवा करना भी एक अपराध जैसा प्रतीत होने लगा है, क्योंकि सिस्टम की ओर से सहयोग के बजाय केवल उपेक्षा ही मिलती है। फिर भी मोक्ष आमजन के लिए सदैव खड़ी है।

सांदीपनि विद्यालय में मनाया गया प्रवेश उत्सव



जबलपुर । विकासखंड कुंडम के सांदीपनि विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ शाला प्रवेश उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नवागत विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला परिवार में आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभमुख्य अतिथि पूर्व विधायक नंदिनी मरावी, विशिष्ट अतिथि प्रगति गणवीर अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, पूनम बरकडे विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं सुरेंद्र कुमार जैन विकासखंड स्रोत समन्वयक द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ शिक्षा पर चर्चा की। मुख्य अतिथि श्रीमती मरावी ने बच्चों से सीधा संवाद करते हुए जीवन में शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

शून्य विशिष्ट तेल खपत के साथ एमपीईआरसी के सभी मानकों से बेहतर प्रदर्शन

जबलपुर

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धियां व परिचालन उत्कृष्टता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की वर्तमान में स्थापित उत्पादन क्षमता 210 मेगावाट है। गत वित्तीय वर्ष अमरकंटक ताप विद्युत गृह ने शून्य विशिष्ट तेल खपत और ज़ीरो ट्रिपिंग का अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया, जो विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग दक्षता, उन्नत अनुरक्षण प्रणाली व कुशल परिचालन प्रबंधन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। एमपीईआरसी के सभी मानकों से बेहतर प्रदर्शन-वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई द्वारा कुल 1733.55 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया, जो संयंत्र की निरंतर, विश्वसनीय व दक्ष संचालन क्षमता को दर्शाता है। इस अवधि में प्लांट उपलब्धता कारक 98.29 प्रतिशत व प्लांट लोड फैक्टर 94.24 प्रतिशत दर्ज किया, जो कि मप्र विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित 85 प्रतिशत के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। यह प्रदर्शन चचाई विद्युत गृह की तकनीकी सुदृढ़ता, उच्च स्तर की योजना एवं परिचालन नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता को परिलक्षित करता है।



स्वामी, व प्रकाशक शिवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा भेलकी 820 कोठार पोस्ट चुरहर सीधी मध्य प्रदेश 486771 मुद्रित कुसुम प्रिंटर्स सोनभद्र उत्तर प्रदेश । संपादक शिवेन्द्र कुमार तिवारी। कार्यकारी संपादक श्रीमति निर्मला कुसमाकर , मोबाइल 7977409599
ईमेल-naitikkranti@gmail.com PRGI - MPHIN/25/A0567 एक्ट समाचार तक जिम्मेदार (समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सीधी रहेगा)- समाचार पत्र में प्रकाशित प्रत्येक समाचार के लिए संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।